जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 305 प्रभात हिण्डौन सिटी, शनिवार 5 सितम्बर, 2026 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

विजय शाह का ऐसा क्या महत्व है?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। मध्य प्रदेश सरकार सुप्रीम कोर्ट के सामने अपने उस फैसले का बचाव करने की तैयारी कर रही है, जिसमें उसने आर्मी ऑफिसर कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में सीनियर कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह की विवादित टिप्पणी पर मुकदमा चलाने की मंजूरी नहीं दी थी।

कानूनी विशेषज्ञों, मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जांच-पड़ताल के बाद, आने वाले दिनों में

- एम.पी. ने सारे घोड़े खोल रखे हैं, विजय शाह के पक्ष में?

राज्य सरकार का जवाब सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किए जाने की उम्मीद है। इस जवाब का मुख्य आधार पांच बिंदुओं वाला बचाव है, जिसमें बताया गया है कि कैबिनेट क्यों मानती है कि शाह पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त आधार नहीं हैं।

सरकार का पहला तर्क यह है कि विवादित बयान के बाद विजय शाह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए कोई व्यक्ति आगे नहीं आया। माना जा रहा है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट को बताएगी कि टिप्पणी को लेकर राजनीतिक और सार्वजनिक विवाद के बावजूद, किसी भी निजी शिकायतकर्ता ने मंत्री के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग नहीं की।

दूसरा तर्क यह है कि शाह ने अपने बयान में कर्नल सोफिया कुरैशी का नाम

(शेष पृष्ठ 5 पर)

राहुल गांधी के प्र.मंत्री बनने में भाजपा से बड़ा रोड़ा सहयोगी दल हैं

इण्डिया ब्लॉक के घटक, इस गठबंधन को, मुख्य रूप से भाजपा को पराजित करने का माध्यम तो मानते हैं, पर वे इसे राहुल गांधी को प्र.मंत्री बनाने का जरिया नहीं मानते

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए 7, लोक कल्याण मार्ग (पहले रेस कोर्स रोड) या ज्यादा सही कहें तो, नए भारत में प्रधानमंत्री कार्यालय तक का रास्ता हर गुज़रते साल के साथ थोड़ा और मुश्किल होता जा रहा है।

कांग्रेस लगातार यह बात कह रही है कि 2029 में "इंडिया" गठबंधन की ओर से राहुल गांधी ही प्रधानमंत्री पद के स्वाभाविक उम्मीदवार होने चाहिए। फिर भी, इस महत्वाकांक्षा में सबसे बड़ी बाधा शायद भाजपा न हो। हो सकता है कि वे सहयोगी ही बाधा बनें, जिनका समर्थन राहुल गांधी को शीर्ष पद तक पहुँचने के लिए चाहिए होगा।

ताज़ा विवाद तमिलनाडु को लेकर

- यह सोच राहुल गांधी के प्र.मंत्री बनने में सबसे बड़ा रोड़ा है।
- यह सच है कि राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस ने काफी मजबूती हासिल की है तथा इस मजबूती की वजह से राहुल को लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद मिला। पर, मजबूत कांग्रेस का सीधा अर्थ यह नहीं होता कि राहुल गांधी विपक्ष के सर्वमान्य प्र.मंत्री उम्मीदवार भी बन गए हैं।
- अंततोगत्वा, इण्डिया ब्लॉक का प्र.मंत्री पद का उम्मीदवार बनना, इस बात पर निर्भर करेगा कि कांग्रेस कितनी सीटें जीतती है तथा चुनाव के बाद भी राजनीतिक सौदेबाजी में उसकी तुलनात्मक स्थिति क्या है?

है।

राज्य में कांग्रेस नेताओं ने दावा किया है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री

(शेष पृष्ठ 5 पर)

नया नीतीश कुमार कौन होगा?

-जाल खंबातता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। इक्कीस अगस्त से बिहार की राजनीति में हलचल मची हुई है, जब राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के प्रमुख उपेन्द्र कुशवाहा ने राजगीर में अपनी पार्टी के तीन दिवसीय कैंप में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विरासत के बारे में बात की थी।

ऊपर से तो कुछ खास होता नहीं दिख रहा, लेकिन अंदर ही अंदर कुछ पक रहा है: सवाल यह है कि नीतीश की राजनीतिक विरासत का अब क्या होगा,

- उपेन्द्र कुशवाहा ने यह स्थान पाने के लिए काफी तर्कपूर्ण राजनीतिक सोच प्रस्तुत किये।

जब वे राज्य की सक्रिय राजनीति के केन्द्र से हट गए हैं। उस विरासत के लिए मुकाबला अभी खुलकर शुरू नहीं हुआ है। लेकिन उसके लिए दावेदारी होने लगी है।

आरएलएम कैंप में, कुशवाहा ने एक ऐसा नजरिया पेश किया, जिस पर चर्चा होनी ही थी। उन्होंने नीतीश के बारे में और इस बारे में बात की कि नीतीश की विरासत को कौन आगे बढ़ाएगा। उनकी बात उत्तराधिकार का कोई सीधा दावा नहीं थी। फिर भी, इसके राजनीतिक निहितार्थ को नजरअंदाज करना मुश्किल था।

नीतीश के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर न रहने के कारण, राजनेता और जनता

(शेष पृष्ठ 5 पर)

अब हार्पर कॉलिन्स छापेगा सोनिया गांधी की आत्मकथा

जाने-माने प्रकाशक पैन्विन ने पहले यह छापने की घोषणा की थी, पर, कुछ अंशों पर तब्दीली करने की माँग की थी, जो सोनिया गांधी ने स्वीकार नहीं की तथा "डील" रद्द हो गई थी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। हार्पर कॉलिन्स इंडिया 10 नवंबर को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की यादों पर आधारित किताब "बिलॉंगिंग: अ जर्नी ऑफ़ लव" पब्लिश करेगा।

इस किताब को एक रोमांचक और बेहद निजी कहानी बताया गया है, जो भारत की यात्रा का एक आंतरिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। अनुमान है कि इसमें युद्ध के बाद के इटली में सोनिया गांधी के बचपन, नेहरू-गांधी परिवार में उनकी शादी और राजनीति में उनके आने की घटनाओं को कवर किया गया है।

दुनिया भर में पब्लिश होने से पहले ही, इस किताब ने काफी अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है।

शुरुआत में दिलचस्पी दिखाने के बावजूद, पैन्विन रैंडम हाउस इंडिया के साथ इस किताब को पब्लिश करने की वार्ता के दौरान "गतिरोध" आ गया था।

- किताब, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी भारी चर्चित हो गई है, छपने से पहले ही।
- अनुमान है, आत्मकथा में, सोनिया गांधी ने, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की इटली तथा वहाँ उनके बचपन, फिर राजीव गांधी से शादी, उनका नेहरू-गांधी परिवार का हिस्से बनने, राजीव गांधी की हत्या तथा राजनीति में उनके प्रवेश पर काफी विस्तार से लिखा है।

हार्पर कॉलिन्स इंडिया ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की आत्मकथा 10 नवंबर को पब्लिश करेगा।

हार्पर कॉलिन्स ने एक बयान में कहा, "राजनीतिक संस्मरण "बिलॉंगिंग", जिसका इस समय सबसे ज्यादा इंतजार है, प्यार, पहचान, कर्तव्य और अपनेपन की एक रोमांचक और बेहद निजी कहानी है, और यह भारत की यात्रा को देखने का एक अनोखा अंदरूनी नज़रिया देती है।"

कांग्रेस नेता की इस बहुप्रतीक्षित किताब के भारत में पब्लिश होने को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही थीं।

अमेरिका स्थित विख्यात पब्लिशिंग हाउस, "अल्फ्रेड ए नॉफ़", जो पैन्विन हाउस का एक ब्रांड है, ने कहा था कि यह किताब 10 नवंबर को दुनिया भर में रिलीज़ की जाएगी।

इस घोषणा के बाद, पैन्विन रैंडम हाउस इंडिया ने कहा कि वह किताब को पब्लिश करने के लिए उत्सुक था, लेकिन बातचीत के दौरान "एक खास मुद्दे" पर गतिरोध पैदा हो गया था।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिए। –रोबिन शर्मा

राजस्थान विश्वविद्यालय के लिए नए कुलपति की तलाश

राष्ट्रीय स्तर पर विद्वता, प्रशासनिक एवं आर्थिक चुनौतियां से निपटने की कौशलता, जेन जेड व जेन अल्फा की अपेक्षाओ के अनुसार दूर दृष्टि रखने वाला हो अगला कुलपति/कुलगुरु

राजस्थान विश्वविद्यालय में सितंबर माह में नए कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ होने के साथ ही विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षा जगत में इस पद को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। यह भी सुनने में आ रहा है कि अपने नाम के आगे कुलपति लिखे जाने का स्वप्न संजोये कुछ लोग इस महत्वपूर्ण पद के लिए राजनीतिक और अन्य स्तरों पर साम, दाम, दंड भेद के साथ सक्रिय हो गए हैं। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि किसी जमाने में राजस्थान विश्वविद्यालय का कुलपति केवल एक प्रशासनिक पद नहीं, बल्कि राज्य की उच्च शिक्षा की दिशा तय करने के साथ राज्य सरकारों को भी अपनी विद्वता से मार्गदर्शन देने का एक मजबूत जरिया माना जाता था, राज्य सरकारें ही नहीं बडे-बडे राजनेता भी कुलपतियों से मार्गदर्शन की प्रतीक्षा में रहते थे, लेकिन पिछले कुछ समय से हालात ऐसे बदले हैं कि इस विश्वविद्यालय के कुलपतियों को मुख्यमंत्री की तो छोड़िए अधिकांशत उच्च शिक्षा एवं वित्त विभाग से जुड़े कनिष्ठ अधिकारियों से मिलने के लिए भी लंबी प्रतीक्षा के दौर से गुजरना पड़ता है, हालांकि पदासीन कुलपति विश्वविद्यालय के कुछ गंभीर नीतिगत मामलों जैसे पेंशन का दायित्व राज्य सरकार द्वारा लिए जाने जैसे अन्य गंभीर विषयों को लेकर विश्वविद्यालय से जुड़े प्रतिनिधियों को यह कहते हुए जरूर नजर आते हैं, कि इस संबंध में आपने मुझे क्यों नहीं बताया, मैं आपकी शीघ्र ही मुख्यमंत्री से वार्ता तय हो जाएगी।

एक समय अपनी उत्कृष्ट अकादमिक परंपरा, शोध गतिविधियों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के लिए प्रसिद्ध रहा राजस्थान विश्वविद्यालय आज प्रमुख रूप से गंभीर आर्थिक हालातों के साथ, अपनी शैक्षणिक गतिविधियों की गतिशीलता को लेकर आने वाली गंभीर चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण कुलपतियों द्वारा ही सार्वजनिक रूप से यह कहा जाना कि विश्वविद्यालय स्तर पर पेंशन की व्यवस्था अब कुछ महीनों के लिए ही संभव हो पाएगी, राज्य सरकार ने ग्रेच्युटी की राशि को बढ़ाकर 25 लाख कर दिया है, लेकिन राजस्थान विश्वविद्यालय अपने गंभीर आर्थिक हालातों के चलते पिछले लंबे समय से इस राशि को स्वीकार करने में ही असमर्थता जता रहा है, इसी तरह राज्य सरकार के सभी विभागों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए पूर्व सरकार में ही लागू हो चुकी 9 18 27 की पदोन्नति योजना भी विश्वविद्यालय के अशैक्षणिक कर्मचारीयों के लिए लागू करने का साहस विश्वविद्यालय अपने खस्ता आर्थिक हालातो के चलते नहीं उठा पा रहा है, उच्च शिक्षा विशेषज्ञों और मीडिया से जुड़े मेरे वरिष्ठ साथियों का मानना है कि आने वाले तीन वर्ष विश्वविद्यालय के अस्तित्व और भविष्य के लिए महत्त्वपूर्ण दिशा तय करेंगे, ऐसे संवेदनशील समय में राजस्थान विश्वविद्यालय को इस पद के लिए प्रशासनिक कौशलता एवं विद्वत्ता की दृष्टि से ऐसे व्यक्तित्व की नितांत आवश्यकता होगी, जो अपनी स्थापित विद्वत्तापूर्ण प्रतिष्ठा के आधार पर सीधे राज्य के मुख्यमंत्री स्तर पर विश्वविद्यालय से जुड़ी समस्याओं के समाधान की क्षमता रखता हो। यह सही है कि निजी शिक्षा माफियाओं के रचे गए सफल षडयंत्रों के कारण, पहले केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्वरूप से इसे वंचित करना, और बाद में इसके क्षेत्राधिकार को संकुचित करने के साथ ही, बिना किसी प्रभावी व्यवहारिक योजना के अभाव में इसके क्षेत्राधिकार से जुड़े सीकर भरतपुर अलवर। जिलों के साथ क्षणिक राजनीतिक लाभ के लिए नए-नए विश्वविद्यालय खोल देने के कारण, इस विश्वविद्यालय के लगातार घटते संसाधनों और वित्तीय दबावों ने विश्वविद्यालय की स्थिति को अत्यंत कठिन बना दिया है। ऐसी परिस्थितियों में विश्वविद्यालय को ऐसे कुलगुरु/ कुलपति की आवश्यकता है जो केवल एक विद्वान ही नहीं, बल्कि कुशल प्रशासक, दूरदर्शी योजनाकार और अनुचित दबावों में अपने पद की परवाह किए बिना सरकार विशेष रूप से राजस्थान के मुख्यमंत्री के समक्ष विश्वविद्यालय का पक्ष प्रभावी ढंग से रखने की क्षमता रखता हो।

एक समय अपनी उत्कृष्ट अकादमिक परंपरा, शोध गतिविधियों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के लिए प्रसिद्ध रहा राजस्थान विश्वविद्यालय आज प्रमुख रूप से गंभीर आर्थिक हालातों के साथ, अपनी शैक्षणिक गतिविधियों की गतिशीलता को लेकर आने वाली गंभीर चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण कुलपतियों द्वारा ही सार्वजनिक रूप से यह कहा जाना कि विश्वविद्यालय स्तर पर पेंशन की व्यवस्था अब कुछ महीनों के लिए ही संभव हो पाएगी।

आगे आने वाली 3 सालों में विदेशी विश्वविद्यालयों तथा आधुनिक सुविधाओं से युक्त कुछ प्रतिष्ठित निजी उच्च शिक्षण संस्थानों के राजस्थान, विशेषकर जयपुर, में विस्तार की संभावनाएं भी राजस्थान विश्वविद्यालय के सामने नई प्रतिस्पर्धा प्रस्तुत करेंगी। इस चुनौती का सामना वही नेतृत्व कर सकता है जो वैश्विक उच्च शिक्षा में हो रहे परिवर्तनों को गहराई से समझने की क्षमता रखता हो, और अपेक्षाओं के अनुरूप नवाचारों को अपनाने का सामर्थ भी उसमें हो, इन सारे आयामों के साथ कम से कम विश्वविद्यालय को ऐसा कुलपति न मिल जाएं जो विश्वविद्यालय परिसर की 365 एकड़ भूमि के साथ संघटक महाविद्यालयों से जुड़ी लगभग ढाई सौ एकड़ भूमि, जिसका वर्तमान में अरबो रुपए बाजार मूल्य है, पर गिद्ध दृष्टि लगाए बैठे प्रभावशाली भू माफियाओं के रचे जाने वाले षडयंत्रों का हिस्सा ही बन जाए। राजस्थान विश्वविद्यालय को आज किसी गुट, विचारधारा या व्यक्तिगत विद्वेषों के आधार पर दुर्भावना एवं शरारतपूर्ण कार्यवाही कर अपने ही विश्वविद्यालय से जुड़े साथियों को प्रताड़ित करने वाला प्रतिनिधि नहीं, बल्कि पूरे विश्वविद्यालय परिवार का विश्वास जीतने वाला असली नेतृत्वकर्ता चाहिए , जो राज्य सरकार के अन्य वित्तपोषी विश्वविद्यालयों के लिए भी एक प्रेरणादायक मिसाल बन सके।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. भूपेंद्र सिंह शेखावत,
राजस्थान विश्वविद्यालय।

राशिफल शनिवार 5 सितम्बर, 2026

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, मगृशिरा नक्षत्र रात्रि 9:31 तक, वज्र योग दिन 12:47 तक, तैतिल करण दिन 11:04 तक, चन्द्रमा दिन 10:18 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-बुध, मंगल-मिथुन, बुध-सिंह, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह।

आज गोगा नवमी, नन्द महोत्सव, अश्वत्थ मारूती पूजन है। आज डा. राधाकृष्णन जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:45 से 9:19 तक, चर 12:26 से 1:59 तक, लाभ-अमृत 1:59 से 3:06 तक।

राहुकाल: 9:00 से 10:30 तक, सूर्योदय 6:11, सूर्यास्त 6:40

मेष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। आज परिवार में शुभ संदेश प्राप्त हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

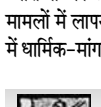

स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

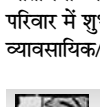

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन

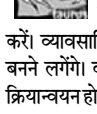

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

तुला

आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

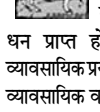

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृश्चिक

घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कारणों से मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

शिक्षक गढ़ते कल का भारत

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

शिक्षक नियति-निर्माता होते हैं। करोड़ों विद्यार्थियों के जीवन में विद्या, कौशल, नैतिकता और प्रेरणा का संचार करने वाले शिक्षकों के प्रति सभी देशवासियों की ओर से, 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर,मैं कृतज्ञता व्यक्त करती हूं। यह सर्वविदित है कि हमारे देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन चाहते थे कि उनका जन्मदिन 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए। वे विश्वविख्यात विद्वान, लेखक और स्टेट्समैन थे, लेकिन शिक्षक की भूमिका को उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण माना। अत्यंत लोकप्रिय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम से एक बार पूछा गया कि उन्हें लोग एक वैज्ञानिक के रूप में याद करेंगे या राष्ट्रपति के रूप में। कलाम साहब ने उत्तर दिया कि वे चाहेंगे कि उन्हें एक शिक्षक के रूप में याद किया जाए।

शिक्षक श्रद्धेय हों और विद्यार्थी श्रद्धालु हों, यही हमारा आदर्श रहा है। हमारे प्राचीन ग्रन्थों में कहा गया है कि शिक्षक विद्यार्थियों से अपनी संतान की तरह प्यार करें, उनसे भेदभाव रहित समानता का व्यवहार करें, उन पर क्रोध न करें, धैर्यवान हों, विद्यार्थियों के कल्याण पर दृष्टि केन्द्रित रखें तथा उनकी ग्रहण शक्ति के अनुसार शिक्षा प्रदान करें। ऐसे शिक्षकों के प्रति सम्मान के भाव से ही लगभग तीन हजार वर्ष पहले, तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षावल्ली में 'आचार्यदेवो भव' का संदेश दिया गया है।

सौभाग्य से अपने विद्यार्थी जीवन में मुझे बहुत अच्छे और स्नेही शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलता रहा। हमारी टीचर्स, स्कूल की छुट्टी के बाद भी, कभी-कभी अपने घर में ही हमें पढ़ाती थीं और हमारी देख-भाल भी करती थीं। सातवीं कक्षा के बाद, अपने गांव से बाहर जाकर पढ़ाई करने वाली मैं पहली छात्रा थी। आगे की पढ़ाई के दौरान भुवनेश्वर में भी, मुझे शिक्षकों का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन मिलता रहा। अपने शिक्षकों का विनम्रतापूर्वक उल्लेख मैंने यह बताने के लिए किया है कि स्नेही और समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों में असीम क्षमता और प्रेरणा का संचार करते हैं। इससे शक्ति पाकर, विद्यार्थियों में किसी भी चुनौती का सामना करने का साहस और बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का उत्साह बना रहता है। मैं मानती हूं कि शिक्षक पाठ्यक्रम तो पढ़ाते ही हैं, अपनी गतिविधियों से, विद्यार्थियों को जीने की कला भी सिखाते हैं। इस प्रकार, शिक्षक अपने विद्यार्थियों के मार्गदर्शक तो होते ही हैं, उनके शुभचिंतक, मित्र और सहयात्री भी होते हैं।

श्रेष्ठ शिक्षक की विशेषता के बारे में हमारी संस्कृति एवं परंपरा में प्राचीन काल से चले आ रहे विचार आज भी पूर्णत: प्रासंगिक हैं। सदियों पहले, अपने नाटक 'मालविकाग्निमित्रम्' में महाकवि कालिदास कहते हैं कि जिस अध्यापक में प्रचुर ज्ञान हो तथा उस ज्ञान को समझाने की क्षमता भी हो, वही अच्छा शिक्षक होता है।

एक लोकप्रिय संस्कृत सुभाषित में कहा गया है: 'सर्वत्र विजयम् इच्छेत् शिष्यात् इच्छेत् पराजयम्'। इसका आशय यह है कि सर्वत्र विजय की कामना करनी चाहिए परंतु शिष्य से पराजय की इच्छा होनी चाहिए। विद्यार्थियों में स्वतंत्र चिंतन को प्रोत्साहित करना, जिज्ञासा उत्पन्न करना, प्रश्न करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना, तर्क-शक्ति का विकास करना तथा उनके स्वतंत्र व्यक्तित्व के निर्माण में योगदान देना शिक्षण कार्य के प्रेरक और उपयोगी आयाम हैं। ऐसी प्रेरक शिक्षा से ही सफल उद्यमी, प्रतिभाशाली वैज्ञानिक, सृजनशील कलाकार और चुनौतियों के नवीन समाधान प्रस्तुत करने वाले नागरिकों की पीढ़ियां तैयार होंगी। शिक्षण कर्म केवल एक वृत्ति नहीं है, एक व्रत है। यह केवल व्यवसाय या नौकरी नहीं है, अपितु मानवता के निर्माण का पवित्र कार्य है। यह भावी पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त करने का सत्कार्य है। शिक्षाकार्य से जुड़ी स्मृतियां मुझे विशेष संतोष देती हैं। मैंने ओड़िशा के राइरंगपुर में स्थित 'श्री ऑरोबिंदो इंटीग्रल स्कूल' में बच्चों को पढ़ाया है। बच्चों के साथ स्वतन्त्रता दिवस और गणतन्त्र दिवस की तैयारी और उन समारोहों में उनके उत्साह को याद करके आज भी मुझे रोमांच होता है। स्कूल की शिक्षा पूरी करने के बरसों बाद भी मेरे विद्यार्थी मुझे अपने पारिवारिक उत्सवों में बुलाते रहे हैं।

मैंने जिन बच्चों को पढ़ाया है, उनसे बहुत कुछ सीखा भी है। मैं समझती हूं कि बच्चों की सहजता और जिज्ञासा सभी शिक्षकों को बहुत कुछ सिखाती है। राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल का दूसरा वर्ष पूरा होने के अवसर पर मैंने राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित स्कूल के विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के विषय पर पढ़ाया और उनसे बातचीत की। मेरा प्रयास रहता है कि मैं विद्यार्थियों से मिलूं और उनके विचारों को समझूं। उनकी बातें मेरे ध्यान में बनी रहती हैं। लगभग ग्यारह वर्ष पहले, मैंने गांव के अपने निवास-स्थान में एक आवासीय विद्यालय की स्थापना की थी। उस विद्यालय में अनाथ तथा वंचित परिवारों के बच्चे शिक्षा प्राप्त करते हैं। उन बच्चों से मिलने मैं वहां जाती रहती हूं। इस वर्ष 20 जून को अपने जन्मदिन पर उन बच्चों से मिलकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई। उस दिन मेरे साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भी उस विद्यालय में जाकर उन बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

शिक्षा प्रदान करने का कार्य केवल शिक्षकों तक ही सीमित नहीं होता है। प्रत्येक ऐसा व्यक्ति जो अपने आचरण और उपलब्धियों से बच्चों के लिए 'रोल मॉडल'बनता है, वह भी शिक्षा और प्रेरणा का अमूल्य स्त्रोत होता है।

माता-पिता और अभिभावक बड़े विश्वास के साथ अपने बच्चों को शिक्षकों के पास भेजते हैं। वे यह मानकर चलते हैं कि शिक्षक अपनेपन की भावना से बच्चों की सुरक्षा और प्रगति पर ध्यान देंगे। इस पवित्र आस्था की रक्षा करना प्रत्येक शिक्षक का धर्म है। विद्यार्थी को अच्छा व्यक्ति बनाना शिक्षक का पावन कर्तव्य है। नैतिकता के पथ पर चलते हुए समृद्धि और यश प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही शिक्षक की सफलता के जीवंत प्रतिमान होते हैं।

हमारा देश सामाजिक समावेश के साथ विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अठासर है। मैं चाहूंगी कि विकास यात्रा के इस क्रम में हमारे शिक्षकगण ऐसी पीढ़ियों का निर्माण करें जो हमारी संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझें, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ मानवता के हित में कार्य करें, अंत्योदय के आदर्शों को आत्मसात करें, पर्यावरण और पशु-पक्षियों के संरक्षण में सक्रिय रहें, व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों में उत्कर्ष प्राप्त करें तथा 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना से आगे बढ़ें। मेरा सभी देशवासियों से अनुरोध है कि वे निष्ठावान शिक्षकों के प्रति सदैव सम्मान की भावना रखें। मेरी कामना है कि समर्पित शिक्षकों के योगदान से भारत पढ़े और बहुत आगे बढ़े।

–श्रीमती द्रौपदी मुर्मु,
(लेखक भारत की राष्ट्रपति हैं।)

सुरेश्वर : जहां बच्चों के सपनों के बगीचे में फैली है कला की खुशबू

कला को रचनात्मकता से जोड़ दे रहे हैं हकीकत की उड़ान

बनवारी यादव

अरावली की पहाड़ियों के पास बसे जालोर के एक छोटे-से गांव पांडगरा में करीब 100 बच्चे हर सुबह एक उम्मीद के साथ उठते हैं-आज स्कूल जाना है, कुछ नया सीखना है, कुछ नया बनाना है। लेकिन इन बच्चों के लिए स्कूल तक पहुंचने का रास्ता हमेशा आसान नहीं था।

घुमंतू , राईका, रबारी परिवारों की सीमित और अनिश्चित आमदनी में फीस, किताबें, कॉपियां, स्टेशनरी और स्कूल ड्रेस जैसी जरूरतें भी कई बार बड़ा बोझ बन जाती थीं। पढ़ने की इच्छा थी, सपने थे, लेकिन उन सपनों के रास्ते में आर्थिक परेशानियां खड़ी थीं।

इसी जरूरत को महसूस करते हुए वर्ष 2022 में सुरेश्वर की शुरुआत हुई। यह सिर्फ एक स्कूल खोलने की पहल नहीं थी, बल्कि उन बच्चों तक शिक्षा पहुंचाने की कोशिश थी, जिनके लिए स्कूल की दहलीज तक पहुंचना भी कभी चुनौती हुआ करता था। आज सुरेश्वर में बच्चे सिर्फ किताबें पढ़ने नहीं आते। वे यहां अपनी कल्पनाएं लेकर आते हैं। कोई कागज पर रंग भरता है, कोई अपनी दुनिया चित्रों में उतार देता है, तो कोई ऐसे सवाल पूछता है जिनके जवाब शायद किताबों में भी आसानी से न मिलें। यहां हर सवाल को सुना जाता है। क्योंकि सुरेश्वर के लिए बच्चों को केवल सही जवाब देना जरूरी नहीं है, उनके भीतर सवाल पूछने की हिम्मत को बचाए रखना भी उतना ही जरूरी है।

सुरेश्वर की इस कहानी के पीछे हैं खुशबू चारण, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अपने अनुभवों के दौरान एक बात को बहुत करीब से महसूस किया- बच्चों के बीच रहना और उनके सपनों को आकार लेते देखना उन्हें सबसे ज्यादा खुशी देता है। इसी एहसास ने उन्हें ऐसा स्कूल बनाने की प्रेरणा दी, जहां बच्चे सिर्फ पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रहें, बल्कि अपनी रचनात्मकता और कल्पनाओं के आकाश में खुलकर उड़ सकें। आज सुरेश्वर में 100 बच्चों की अपनी एक छोटी-सी दुनिया है। यहां हंसी है, शरारतें हैं, रंग हैं, सवाल हैं और सबसे बढ़कर-सपने हैं। सुरेश्वर की कहानी अभी पूरी नहीं हुई है। यह उन 100 बच्चों के साथ हर दिन आगे बढ़ रही है, जो सुबह अपने छोटे-छोटे सपनों के साथ यहां आते हैं और शाम को अपने साथ कुछ नया लेकर लौटते हैं- कभी कोई चित्र, कभी कोई सवाल, कभी कोई नई सीख और कभी बस एक दिन भर की ढेर सारी खुशियां।

खुशबू के लिए भी सुरेश्वर कोई मंजिल नहीं, बल्कि एक सफर है। ऐसा सफर, जिसमें हर बच्चे के साथ एक नया सपना जुड़ता जाता है।

शायद किसी दिन इन्हीं बच्चों में से कोई अपने गांव की पहली बड़ी उड़ान बनेगा। कोई डॉक्टर, कोई शिक्षक, कोई कलाकार या शायद कुछ ऐसा, जिसका सपना आज उसने खुद भी न देखा हो और तब सुरेश्वर की सबसे बड़ी कामयाबी उसकी इमारत नहीं होगी, बल्कि वह बच्चा होगा जो कभी स्कूल आने से डरता या रुकता था। और उस उड़ान की यात्रा शुरू हो चुकी है। ये बच्चे अब पूरे भरोसे से कह रहे हैं- मैं कर सकता हूं, कम कर सकते हैं वे हर बार सफल नहीं होते, लेकिन हर विफलता पर सफल होने के लिए जरूरी प्रयास बढ़ जाते हैं और असल सफलता यही है कि इन्होंने सफलता और विफलता के असल अर्थ और मकसद समझ लिए हैं। यही है खुखबू की बगिया की इन अनमोल फूलों की असली महक।

–बनवारी यादव,
पीआरओ, सुजस स्टूडियो,
डीआईपीआर

70 साल से 15 अगस्त पर्व पर, जन-जन में स्वस्फूर्त खुशी के माहौल में मनाया जाना देखते आया हूं

किंतु अब विभाजन विभीषिका को याद कर उसे आजादी पर्व के साथ जोड़ना कितना उपयुक्त ??

महावीर सिंह

प्रात: भ्रमण के समय एक ग्रुप के बीच चलने वाली वार्तालाप का सार है यह। ऐसे ग्रुप्स में कई प्रकार के लोग होते है।कुछ थोड़ा बहुत गम्भीर अध्ययन करने वाले, कुछ व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी डिग्रीधारी तो कुछ निखालस दिन दुनिया की व्यावहारिकता में पारंगत व्यक्ति और कुछ मेरे जैसे श्रोता। वैसे प्रात: भ्रमणकारीयों, पान व चाय की दुकानों पर चर्चा करने वालों भी दूसरे इसी प्रकार के समूहों पर यह बात काफी हद तक लागू होती है:-आधा सुनना, चौथाई समझना शून्य सोचना लेकिन प्रतिक्रिया दोगुनी देना ये चारों हानिकारक है। विचार का बिंदु था क्या जल्दी स्वतंत्रता के लिए कांग्रेसियों ने देश विभाजन की बात मानली और यह देश के प्रति महा पाप किया उन्होंने। प्रात: की सैर करने वालों के बीच में उठी ये बात आज भी उतनी ही उलझी हुई है जितनी 1947 में थी।

विभाजन का दर्द सांस्कृतिक और भावनात्मक है। हजारों साल की साझी सभ्यता, गंगा-जमुनी तहजीब, एक भूगोल का एकाएक दो टुकड़ों में बंट जाना उस समय के लोगों के लिए कितना दुखदाई रहा होगा उसकी आज कल्पना करना भी मुश्किल है। 15 लाख लोगों का विस्थापन, खून-खराबा, परिवारों का उजड़ना के नजरिए से देखें तो निश्चित ही यह एक महा त्रासदी थी । इस दृष्टि से विभाजन को राष्ट्र अथवा तत्समय के देश की आत्मा पर घाव माना जा सकता है। एक तर्क दिया गया कि क्या बातचीत से कोई और रास्ता नहीं निकल सकता था?

इस समूह के कुछ व्यक्तियों का तर्क था कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि 90-95 प्रतिशत जनता ने स्वतंत्रता स्वागत किया था। वह जनता जो तीहरी गुलामी में बिना किसी प्रकार के अधिकारों के, नारकीय जिंदगी जी रहे थे । इस पक्ष का आधार सामाजिक और राजनीतिक था। सदियों से जिस बहुसंख्य आबादी को जाति, वर्ग और उपनिवेश - तीन स्तरों की गुलामी झेलनी पड़ी थी, उनके लिए 'स्वराज' का मतलब सबसे पहले था - वोट का अधिकार, जमीन का अधिकार, इज्जत का अधिकार।

आजादी की लड़ाई में कांग्रेस और मुस्लिम लीग दोनों ने जनता को लामबंद किया था। वर्ष 1946 में भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान मुख्य रूप से प्रांतीय विधानसभाओं और संविधान सभा के लिए मतदान हुए थे। इन चुनावों ने भारत के राजनीतिक भविष्य और देश के विभाजन की दिशा तय की थी। जब 1946 के चुनावों में करोड़ों लोगों ने पहली बार वोट दिया, तो वो इसी उम्मीद में था कि अब उनकी सुनी जाएगी। इसलिए उनके लिए स्वतंत्रता और विभाजन दोनों ही "गुलामी के अंत" का प्रतीक बन गए थे। एक थोड़े से उम्र दराज व्यक्ति ने कुछ संगठनों की भूमिका पर सवाल उठाया कि हिंदू महासभा और आरएसएस जैसे संगठन उस समय चुनावी राजनीति और जन-आंदोलन से दूरी पर थे। उनका फोकस कुछ अस्पष्ट से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और बाद में वैकल्पिक राजनीति पर रहा। जबकि कांग्रेस ने सविनय अवज्ञा, भारत छोड़ो जैसे आंदोलन चलाए, और लीग ने 'पाकिस्तान' के नारे से मुस्लिम वोट को संगठित किया।

क्या विभाजन से अतिरिक्त कोई और विकल्प था आजादी था आजादी का और अगर था तो इंतजार क्यों नहीं किया?? विकल्प कागज पर थे, जमीन पर नहीं। 1946-47 आते-आते हालात इतने बिगड़ चुके थे कि 'इंतजार' का मतलब और अधिक खून-खराबा था।उस समय की परिस्थितया इतनी विकट हो गई थी उसको समझने के लिए इन बातों को ध्यान में रखना जरूरी है::--

सांप्रदायिक आग -- कलकत्ता, नोआखाली, बिहार, पंजाब में रोज दंगे हो रहे थे। कानून-व्यवस्था टूट रही थी। ब्रिटिश फौज और पुलिस खुद पीछे हट रही थी। दो राष्ट्र का विचार जड़ पकड़ चुका - 1940 लाहौर प्रस्ताव के बाद मुस्लिम लीग ने 'पाकिस्तान' को ही अंतिम मांग बना दिया। 1946 के चुनाव में लीग को मुस्लिम सीटों की 90 प्रतिशत से ज्यादा मिली। इसका मतलब था करोड़ों मुसलमान अब 'एक साथ' रहना नहीं चाहते।

कांग्रेस भी थक चुकी थी - बहुत से कांग्रेसी नेताओं ने सालों जेलों में बिताए , भारत छोड़ो आंदोलन में लाखों कार्यकर्ता शामिल हुए आजाद भारत के सपने को साकार करने के लिए किंतु इस मुकाम पर उन्हें एक भारत के सपने पर जोड़े रखना अत्यंत कठिन सा लगने लगा था। आम कार्यकर्ताओं की लड़ाई लड़ने की अपनी सीमाएं होती है। नेहरू-पटेल को लगा कि अगर अभी सत्ता नहीं ली तो देश गृहयुद्ध में चला जाएगा। रियासतें और अराजकता - ब्रिटिश जा रहे थे। बीच में कोई खाली जगह नहीं छोड़ सकते थे। अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितिया ब्रिटेन के प्रतिकूल होती जा रही थी। दूसरा विश्वयुद्ध खत्म, होते-होते ब्रिटेन खुद दिवालिया हो चुका था। चर्चिल जा चुके, एटली की लेबर सरकार को 'जल्दी से भारत छोड़ो' का जनादेश था। दुनिया भर में इंडोनेशिया, वियतनाम तथा दूसरे उपनिवेशक देश सब जगह आजादी की मांग तेज थी। ब्रिटेन को "सम्मानजनक निकासी" चाहिए। इसके अंतर्गत भारत - कैबिनेट मिशन 1946 बना और कमजोर केंद्र , प्रांतों को ज्यादा अधिकार के प्रस्ताव आए।एक भारत के अंतिम प्रयास थे लीग पहले मानी, फिर मुकर गई। कांठोस को भी पूरा भरोसा नहीं था कि ये चलेगा। इंतजार करने का मतलब था और दंगे। पंजाब-बंगाल पहले ही जल रहे थे। ब्रिटिश रुकने को तैयार नहीं थे। 1947 तक ब्रिटेन में भी जनमत 'भारत छोड़ो' के पक्ष में था। आर्थिक रूप से रुकना उनके लिए

संभव नहीं था। इंतजार" करने का मतलब था - बिना सरकार के, बिना फौज के, दंगों के बीच 40 करोड़ लोगों को छोड़ देना। नेहरू, पटेल, जिन्ना, गांधी - सभी ने देर से ही सही ये मान लिया कि बंटवारे के साथ आजादी अथवा बिना बंटवारे के गृहयुद्ध ,विकल्प थे।इसलिए आज हम दोनों बातें एक साथ रख सकते हैं - विभाजन का दुख भी, और आजादी का जश्न भी। इतिहास केवल काला-सफेद नहीं होता। विभाजन एक त्रासदी भी था और लाखों के लिए मुक्ति भी। एक तरफ भूगोल बंटा, दूसरी तरफ करोड़ों लोगों को पहली बार नागरिक बनने का मौका मिला। शायद सबसे सही बात यही थी कि है कि हम विभाजन के दर्द को भूलें नहीं, और साथ ही उन 90 लोगों की आकांक्षा को भी खारिज न करें जिनके लिए 15 अगस्त 1947 सचमुच पहली आजाद सुबह थी। इतिहास को कोसने से बेहतर है उससे सीखें - हमारे ऐसे वैसे कृत्यों के कारण पुन:देश के टुकड़े न हों, और कोई भी नागरिक बिना अधिकारों के नहीं रहे।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

संक्षिप्त

प्रत्याशियों को मिले चुनाव चिन्ह

सूरौठ, (निसं)। नगरपालिका के पहली बार होने जा रहे चुनाव को लेकर शुक्रवार को चुनाव चिन्ह आवंटन की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही चुनावी सरगर्मियां और तेज हो गईं। सूरौठ नगर पालिका चुनाव अधिकारी प्रीति चक ने बताया कि नगर पालिका के सभी 20 वार्डों में मैदान में मौजूद 156 प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए गए। चुनाव चिन्ह मिलते ही प्रत्याशियों ने अपने समर्थकों के साथ प्रचार अभियान शुरू कर दिया।चुनाव चिन्ह आवंटन को लेकर सूरौठ तहसील परिसर में सुबह से ही प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की भीड़ लगी रही। शाम तक तहसील परिसर में चुनावी गतिविधियां जारी रहीं। प्रत्याशी अपने-अपने चुनाव चिन्ह के साथ मतदाताओं के बीच पहुंचकर समर्थन जुटाने में लग गए हैं। नामांकन वापसी के बाद अब सभी वार्डों में चुनावी मुकाबले की तस्वीर साफ हो चुकी है। प्रत्याशी घर-घर जनसंपर्क कर मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के प्रयास में जुटे हैं। 11 सितंबर को होने वाले मतदान में मतदाता 20 वार्डों के पार्षद चुनेंगे। नगरपालिका के पहले चुनाव को लेकर कस्बे में चुनावी माहौल लगातार गर्माता जा रहा है।

चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया

करौली, (निसं)। नगर निकाय चुनाव-2026 के तहत करौली नगर परिषद के 55 वार्डों में 9 सितंबर को होने वाले चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। भाजपा, कांग्रेस और निर्दलीय प्रत्याशी अपने-अपने वार्डों में चुनाव कार्यालयों का उद्घाटन कर जनसंपर्क और समर्थन जुटाने में जुटे हुए हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को नगर परिषद के वार्ड नंबर 50 से भाजपा के सभापति पद के प्रत्याशी वीरेंद्र शर्मा के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक दर्शन सिंह गुर्जर ने फीता काटकर किया। कार्यालय का उद्घाटन विद्वान पंडितों के मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से किया गया।इस अवसर पर विधायक दर्शन सिंह गुर्जर, पूर्व सांसद प्रत्याशी इंदू देवी जाटव, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रहलाद सिंगल सहित अनेक मौजूद रहे।

65 वार्डों में 401 उम्मीदवार मैदान में

भरतपुर (निसं)। नगर निगम चुनाव 2026 को लेकर चुनावी प्रक्रिया अब प्रचार के अगले चरण में पहुंच गई है। शुक्रवार को नगर निगम के 65 वार्डों से चुनाव लड़ रहे निर्दलीय प्रत्याशियों को चुनाव चिन्हों का आवंटन किया गया। चुनाव चिन्ह आवंटित होने के साथ ही निर्दलीय प्रत्याशी अब चुनाव चिन्ह के साथ चुनाव प्रचार कर सकेंगे।

नगर निगम के 65 वार्डों में कुल 401 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। चुनाव चिन्हों का आवंटन रिटर्निंग अधिकारी हरजीराम बुरड़क, एडीएम राहुल सैनी सहित संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी में किया गया। जिन निर्दलीय प्रत्याशियों ने एक ही चुनाव चिन्ह के लिए दावेदारी की, उनमें चुनाव चिन्ह के आवंटन की प्रक्रिया लॉटरी के माध्यम से पूरी की गई।वहीं, भाजपा और कांग्रेस सहित मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के टिकट पर चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों को उनके दल के अधिकृत चुनाव चिन्ह आवंटित किए गए हैं। चुनाव चिन्ह मिलने के बाद प्रत्याशियों ने भी अपने चुनाव प्रचार को तेज कर दिया है। अब प्रत्याशी घर-घर संपर्क, जनसभाओं और बैठकों के माध्यम से मतदाताओं से समर्थन मांगते नजर आएंगे। रिटर्निंग अधिकारी हरजीराम बुरड़क ने बताया कि नगर निगम भरतपुर के आम चुनाव 2026 में वार्ड संख्या 1 से लेकर 65 तक कुल 401 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हिण्डौन शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में उल्लास के साथ मनाया

- मंदिरों से घर-घर तक गूंजा नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की....
- विद्यालयों में सजी कृष्ण-राधा की झांकियां, जगह-जगह हुए मटकी फोड़ कार्यक्रम

हिण्डौन सिटी, (निसं)। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का पर्व जन्माष्टमी हिण्डौन शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। शहर के हरदेव जी मंदिर सहित ठाकुर जी के विभिन्न मंदिरों में विशेष सजावट की गई और भगवान श्रीकृष्ण का आकर्षक शृंगार कर विशेष अभिषेक एवं पूजा-अर्चना की गई। ठामीण क्षेत्रों में भी मंदिरों के साथ-साथ घर-घर में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर उत्साह नजर आया।

जन्माष्टमी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने दिनभर व्रत और उपवास रखकर भगवान श्रीकृष्ण की आराधना की तथा परिवार एवं क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि और अमन-चैन की कामना की। शाम होते ही मंदिरों में भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों का दौर शुरू हो गया। मंदिरों को आकर्षक रोशनी और फूलों से सजाया गया। श्रद्धालु भगवान के दर्शन के लिए मंदिरों में पहुंचते रहे।

रात्रि में जैसे-जैसे भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का समय नजदीक आया, मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती गई। मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्यय के साथ ही मंदिर परिसर नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की, हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की और भाई प्रकट कृपाला दीनदयाला जैसे जयकारों से गूंज उठे। शंख और घंटियों की ध्वनि के बीच भगवान के जन्म का उत्सव मनाया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान का पंचामृत से अभिषेक कर आरती की और प्रसाद वितरित किया। इससे पूरे क्षेत्र का वातावरण देर रात तक भक्तिमय बना रहा।

जन्माष्टमी का उल्लास विद्यालयों में भी देखने को मिला। विभिन्न स्कूलों में विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण, राधा, सुदामा और ग्वाल-बाल के स्वरूप धारण कर मनमोहक झांकियां प्रस्तुत कीं। कहीं कृष्ण जन्म की सजीव झांकी सजाई गई तो कहीं बाल कृष्ण की लीलाओं का मंचन किया गया। कई विद्यालयों में मटकी फोड़ कार्यक्रम भी आयोजित हुए, जिनमें कृष्ण के स्वरूप में सजे बच्चों ने उत्साह के साथ मटकी फोड़कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

आशीष मेमोरियल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हिंडौन सिटी में भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण, राधा और सुदामा के स्वरूप में सुंदर चरित्र चित्रण किया। इस दौरान वो कृष्णा है, छोटी-छोटी गैया, छोटे-छोटे ग्वाल, सुनो द्वारपालों सहित अनेक मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम में अर्चना जैन और ललित सोनी का विशेष योगदान रहा। विद्यालय के प्रशासक अशोक कुमार शर्मा, भूतपूर्व प्रधानाचार्या विकास शर्मा तथा प्रधानाचार्य वर्धमान जैन मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य ने सभी विद्यार्थियों एवं स्टाफ को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर महेश चंद, बृजेश नागर, रेशु जैन, गिरीश चौहान, शुभम वर्मा, प्रभात खंडेलवाल, दलवीर सिंह, देसराज सिंह, ललित सोनी, पूनम जैन, निशा खत्री, प्रभा रानी, सीमा कुमारी, पिंकी राजपूत, दिलीप दिवाकर, मोहित चौहान, नीरज गोयल, नीरज सोनी, अक्षय भारद्वाज, प्रतिमा, डिम्पल गोयल, रेणु, मोना, अंकिता, रोशनी, भावना, पूजा गुप्ता, अवध, आशीष कपूर और राजवीर सहित विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हिण्डौन शहर के अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी जन्माष्टमी को लेकर विशेष उत्साह रहा। गांवों के मंदिरों में पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण के कार्यक्रम हुए। कई स्थानों पर युवाओं और बच्चों की ओर से मटकी फोड़ कार्यक्रम आयोजित किए गए। कृष्ण स्वरूप में सजे बच्चों और युवाओं ने मटकी फोड़कर जन्माष्टमी के उत्सव में चार चांद लगा दिए। घरों में भी लोगों ने बाल गोपाल की पूजा कर उन्हें माखन-मिश्री का भोग लगाया।

पूरे दिन व्रत, पूजा और धार्मिक आयोजनों तथा रात में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के साथ हिण्डौन शहर और ग्रामीण अंचल में भक्ति, आस्था और उल्लास का माहौल बना रहा।

पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

करौली, (निसं)। पर्यावरण संरक्षण एवं जिले में हरित आवरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को बीजलपुर गांव के पास स्थित बीजलपुर नर्सरी में जिला स्तरीय वन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रभारी सचिव एवं पर्यटन विभाग की सचिव शुचि त्यागी ने बरगद का पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस दौरान जिला प्रभारी सचिव ने कहा कि अभियान को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक से अधिक वृक्षारोपण किया जाए साथ ही आमजन की भागीदारी सुनिश्चित कर पर्यावरण संरक्षण के ध्येय को साकार बनाया जाए जिससे आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ पर्यावरण की विरासत प्रदान की जा सके। इस अवसर पर प्रभारी सचिव द्वारा 22 वन कार्मिको एवं वन्यजीव संरक्षकों को उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया गया। वन महोत्सव के अवसर पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में मां यशोदा के नाम पर बड़, कदम्ब, कल्पवृक्ष एवं बिल्वपत्र सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में जिला कलक्टर अक्षय गोदारा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति अधिक से अधिक जागरूकता बढ़ाए जिससे आने वाली पीढ़ी पर्यावरण के प्रति जुड़ाव एवं संवेदनशीलता महसूस करें। इसके साथ-साथ अधिक से अधिक पौधारोपण कर जिले को हरा-भरा बनाए रखे। उन्होंने आमजन से भी अधिकाधिक पौधे लगाकर उनकी नियमित देखभाल करने एवं पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की।

बन्ध बरेठा रेलवे स्टेशन जाने वाली सड़क पर गड्ढों से वाहन चालक परेशान

- स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क की तत्काल मरम्मत कराई जाए

रूदावल/भरतपुर, (निसं)। बन्ध बरेठा रेलवे स्टेशन को जाने वाली सड़क इन दिनों बदहाली का शिकार है। करीब आधा किलोमीटर लंबी सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बने हुए हैं। लगातार हो रही बारिश के चलते इन गड्ढों में पानी भर गया है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सड़क की हालत इतनी खराब है कि दोपहिया वाहन चालकों के लिए यहां से गुजरना किसी खतरे से कम नहीं है। स्थानीय लोगों के मुताबिक आए दिन वाहन चालक गड्ढों में गिरकर हादसे का शिकार हो रहे हैं। पानी भरने के कारण गड्ढों की गहराई का अंदाजा भी नहीं लग पाता। स्टेशन के पास बनी कॉलोनी के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। स्थानीय निवासी गोपी गुर्जर ने बताया कि बन्ध बरेठा रेलवे स्टेशन पर कई ट्रेनों का ठहराव होता है और रोजाना बड़ी संख्या में यात्री यहां से सफर करते हैं। रात के समय भी ट्रेनों के आने-जाने के कारण यात्रियों को अंधेरे में इसी जर्जर सड़क से होकर गुजरना पड़ता है।इस स्टेशन से आसपास के दर्जनों गांवों के लोग रेल यात्रा के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में सड़क की बदहाल स्थिति का असर बड़ी आबादी पर पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि करीब आधा किलोमीटर सड़क लंबे समय से क्षतिग्रस्त है, लेकिन जिम्मेदार विभाग की ओर से अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया।लोगों का आरोप है कि सड़क की मरम्मत को लेकर उपखंड अधिकारी, जिला कलेक्टर, विधायक, सांसद, सरपंच सहित कई जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को बार-बार शिकायत दी जा चुकी है। इसके बावजूद सड़क की स्थिति जस की तस बनी हुई है।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क की मरम्मत कराई जाए और गड्ढों को दुरुस्त किया जाए, ताकि रेल यात्रियों, और वाहन चालकों को राहत मिल सके।

हिण्डौन सिटी में मतदान से पहले बदले 7 बूथ, 5,874 मतदाताओं का मतदान स्थल बदला

- वार्ड 12, 15, 18 और 19 के मतदाताओं को नए बूथ पर करना होगा मतदान

हिण्डौन सिटी, (निसं)। नगर परिषद चुनाव में मतदान की तैयारियों के बीच निर्वाचन विभाग ने हिंडौन क्षेत्र के 7 मतदान केंद्रों में बदलाव किया है। इन मतदान केंद्रों से जुड़े कुल 5,874 मतदाता अब पुराने स्थान की बजाय नए निर्धारित मतदान केंद्रों पर मतदान करेंगे। निर्वाचन रजिस्ट्रेशन अधिकारी एवं एसडीएम हिंडौन की ओर से मतदान केंद्रों में परिवर्तन को लेकर प्रस्ताव का प्रारूप जारी किया गया है।

निर्वाचन विभाग के अनुसार मतदान केंद्रों में बदलाव का प्रमुख कारण कुछ केंद्रों का निजी भवनों में संचालित होना तथा संबंधित भवन मालिक का नगर परिषद चुनाव में अभ्यर्थी होना है। चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने के लिए ऐसे मतदान केंद्रों को निजी भवनों से हटाकर सरकारी अथवा अन्य निर्धारित भवनों में स्थानांतरित किया गया है। वार्ड 12 भाग संख्या 1 का मतदान केंद्र पहले सुलक्षणा उच्च माध्यमिक विद्यालय, चादरम कॉलोनी, मण्डावर रोड के दायां भाग में था। यहां 775 मतदाता जुड़े हैं। अब मतदान दयानंद सरस्वती विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय के कमरा नंबर 1, पूर्वी भाग में होगा। इसी वार्ड के भाग संख्या 2 का केंद्र भी बदल दिया गया है। पुराने केंद्र सुलक्षणा उच्च माध्यमिक विद्यालय के बायां भाग में 678 मतदाता मतदान करते थे। अब इनका मतदान दयानंद सरस्वती विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय के कमरा नंबर 6, पश्चिमी भाग में होगा। दोनों केंद्रों को मिलाकर वार्ड 12 के 1,453 मतदाता नए मतदान स्थल पर जाएंगे। ार्ड 15 का मतदान केंद्र पहले गांधी एकेडमी उच्च माध्यमिक विद्यालय, झरेरा रोड के कमरा नंबर 48 में था। यहां 1,107 मतदाता हैं। अब इस केंद्र को पंचायत समिति भवन के मीटिंग हॉल, हिंडौन में स्थानांतरित किया गया है। इस बदलाव के बाद वार्ड 15 के सभी मतदाताओं को नए स्थल पर मतदान करना होगा।

वार्ड 18 भाग संख्या 1 का मतदान केंद्र पहले स्वामी विवेकानंद माध्यमिक विद्यालय, खेड़िया रोड के कमरा नंबर 23 में था। यहां 781 मतदाता हैं। अब मतदान पंचायत समिति भवन स्थित भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र के दायां भाग में होगा।वहीं वार्ड 18 भाग संख्या 2 का केंद्र भी बदला गया है। पुराने केंद्र स्वामी विवेकानंद माध्यमिक विद्यालय के कमरा नंबर 24 में 1,085 मतदाता जुड़े थे। अब इनका मतदान पंचायत समिति भवन स्थित भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र के बायां भाग में होगा। दोनों भागों को मिलाकर वार्ड 18 के 1,866 मतदाताओं का मतदान स्थल बदला है।

वार्ड 19 भाग संख्या 1 का मतदान केंद्र पहले केएमएस औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, करौली रोड के कमरा नंबर 3 में था। यहां 766 मतदाता हैं। अब मतदान महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय के कमरा नंबर 18 में होगा।

वार्ड 19 भाग संख्या 2 का मतदान केंद्र भी केएमएस औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से हटाया गया है। यहां 682 मतदाता हैं। अब इनका मतदान महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय के कमरा नंबर 19 में होगा।

दिल्ली मॉडल पर राजस्थान में भी बने घुमंतू विकास बोर्ड

हिण्डौन सिटी, (निसं)। दिल्ली सरकार की ओर से विमुक्त, घुमंतू और अर्धघुमंतू समुदायों के विकास एवं कल्याण के लिए बोर्ड गठित करने की पहल के बाद अब राजस्थान में भी इसी तर्ज पर व्यवस्था लागू करने की मांग उठी है। गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैसला ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत से राजस्थान में भी इन समुदायों के लिए अलग विकास एवं कल्याण बोर्ड गठित करने की मांग की है।

बैसला ने कहा कि दिल्ली सरकार ने विमुक्त, घुमंतू और अर्धघुमंतू समुदायों के लिए अलग व्यवस्था विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। केंद्र सरकार की ओर से जारी सूची के आधार पर समुदायों को अधिसूचित करने तथा पात्र लोगों को प्रमाण-पत्र जारी करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भी यदि इसी तरह की व्यवस्था लागू की जाती है तो इन समुदायों के लोगों को अपनी पहचान साबित करने में आसानी होगी और वे सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले सकेंगे। वर्तमान में प्रमाण-पत्र और पहचान से जुड़ी स्पष्ट व्यवस्था नहीं होने के कारण पात्र लोगों को कई स्तर पर परेशानी का सामना करना पड़ता है।

बैसला ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं में इन समुदायों के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तीकरण के लिए आजीविका सहायता, स्वास्थ्य बीमा, आवास सहायता और नि:शुल्क कोचिंग जैसी सुविधाएं शामिल हैं। लेकिन प्रमाण-पत्र अथवा स्पष्ट पहचान व्यवस्था के अभाव में बड़ी संख्या में पात्र लोग इन योजनाओं से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि राजस्थान में विमुक्त, घुमंतू और अर्धघुमंतू समुदायों की पहचान के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए, पात्र लोगों को प्रमाण-पत्र जारी किए जाएं।

प्रत्याशियों को धमकाने का आरोप, निष्पक्ष मतदान की मांग

भरतपुर, (निसं)। निकाय चुनावों को लेकर भरतपुर जिले में लगातार बढ़ रही चुनावी उथल-पुथल तथा प्रत्याशियों एवं कार्यकर्ताओं पर डाले जा रहे दबाव तथा धमकाने को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिनेश सूपा ने गहरी आपत्ति व्यक्त करते हुए निर्वाचन आयोग तथा भाजपा सरकार के खिलाफ नाराजगी प्रकट की है।

जिला संगठन महासचिव योगेश सिंघल ने बताया कि भरतपुर में चल रहे नगर निकाय चुनावों के संबंध में पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने भरतपुर कांठोस जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा से जिले की सातों निकायों का फीडबैक लिया तथा आवश्यक संबंधित दिशा निर्देश भी दिए। कांग्रस जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा ने जिला निर्वाचन अधिकारी से जिले में शांतिपूर्वक एवं निर्विघ्न मतदान करबाने की मांग करते हुए कहा है कि कांग्रेस पार्टी सहित अन्य सभी विपक्षी दलों के वार्ड प्रत्याशियों को धमकाने तथा अनावश्यक दवाब बनाने एवं कई जगह पोस्टर बैनर फाड़ने की जो घटनाएं हुई है,उन सभी पर रोक लगवाई जाए। इसके अलावा जिले में कई जगह चुनाव आयोग के निर्देशों के बावजूद रोड के आर पार बैनर, होर्डिंग लगाए जा रहे हैं उनको रोका जाए। सूपा ने सत्ता के प्रभाव में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग के रोकने के अलावा सभी महिला वार्डों में बूथ सीमा के अंदर सिर्फ महिलाओं का ही प्रवेश रखा जाए, पुरुषों का प्रवेश बिल्कुल प्रतिबंधित रखा जाए। इसके अलावा महिलाओ के बूथों पर महिला पुलिसकर्मियों को ही लगाया जाए। जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा ने कहा कि कांठोस पार्टी ने हमेशा लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा करते हुए कार्य किया है लेकिन जैसा कि भरतपुर ही नहीं पूरे प्रदेश में देखने को आ रहा है कि सत्ताधारी भाजपा सरकार अपनी शक्तियों का पूरे प्रदेश में दुरुपयोग करने को आतुर है क्योंकि भाजपा को डर है कि जनमानस बिल्कुल भाजपा सरकार के खिलाफ है। इसीलिए राज्य में निकाय एवं पंचायत चुनावों को सरकार ने अब तक नहीं करवाया।

लेकिन हाई कोर्ट के दबाव में अब चुनाव कराया जा रहा है। सूपा ने कहा कि भरतपुर नगर निगम क्षेत्र का आम आदमी पिछले 3 वर्ष के कार्यकाल में मुख्यमंत्री का गृह जिला होने के बाद भी किसी भी तरह का कोई विकास एवं रोजगारोन्मुखी कार्य नहीं किए जाने एवं इसके अलावा पिछले डेढ़ वर्ष से शहर में विकास के नाम पर सरकार ने पूरे शहर का जनजीवन ठप कर रखा है तथा अधिकांश लोगों के रोजगार एवं मकान स्थाई रूप से उजड़ चुके हैं। आम आदमी नारकीय जीवन जीने को दिवस है उक्त सभी समस्याओं की वजह से नगर निगम क्षेत्र के सभी मतदाता भाजपा को जड़ से उखाड़ देने का मानस बना चुके हैं।

करौली में मदन मोहन जी महाराज के लिए जन्माष्टमी पर 187 साल से अर्पण हो रही चौधरी परिवार की पोशाक

करौली, (निसं)। करौली के जन-जन के आराध्य और आस्था के केंद्र श्री राधा-मदन मोहन जी महाराज के पावन दरबार में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व केवल एक धार्मिक उत्सव ही नहीं, बल्कि सदियों पुरानी परंपराओं, श्रद्धा और राजसी विरासत के जीवंत दर्शन का अवसर होता है। इसी गौरवशाली परंपरा से जुड़ा है करौली के अठावंशी गोयल गोत्रीय चौधरी परिवार का नाम, जिसे जन्माष्टमी के पावन अवसर पर श्री मदन मोहन जी महाराज को पोशाक अर्पित करने का विशिष्ट सौभाग्य प्राप्त है।

ई. सन् 1839 से प्रारंभ हुई यह परंपरा 2026 में अपने 187 गौरव पूर्ण पूरे कर रही है। यह केवल वर्षों की गणना नहीं, बल्कि चौधरी परिवार की पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही अटूट आस्था, निष्ठा और ठाकुर जी के प्रति समर्पण की अमूल्य धरोहर है।आज से लगभग दो शताब्दी पूर्व श्री राधा-मदन मोहन जी महाराज के परम भक्त चौधरी जो उस समय मंडरायल के किलेदार के पद पर आसीन थे, ने ''गुड़े के हार'' में अपनीबेशकीमती कृषि भूमि पर एक पक्का कुआं बनवाकर उसे अपने आराध्य ठाकुर श्री मदन मोहन जी महाराज के मन्दिर को अर्पित कर दिया।चौधरी की इस अनुपम भक्ति और समर्पण से प्रभावित होकर मंदिर के तत्कालीन सेवायतन गुसाईं गोस्वामी प्राण किशोर ने आषाढ़ सुदी प्रतिपदा, संवत 1895 अर्थात 11 जुलाई 1839 को एक पट्टा जारी किया।

इस ऐतिहासिक पट्टे मे यह लिखा गया कि प्रत्येक जन्माष्टमी पर चौधरी के परिवार के वंशज ही बधाई लेकर मन्दिर आयेंगे और श्री मदन मोहन जी महाराज को पोशाक अर्पित करेंगे। यदि परिवार में किसी सदस्य की मृत्यु अथवा सोअर-सूतक की स्थिति हो तो उस वर्ष मंदिर प्रशासन की ओर से पोशाक अर्पित की जाएगी। अन्य किसी की भी ओर से नहीं। यहीं से आरंभ हुई वह परंपरा, जो समय के अनगिनत उतार-चढ़ाव, पीढ़ियों के परिवर्तन और बदलते दौर के बावजूद आज भी उसी श्रद्धा और गरिमा के साथ जीवंत है।

वर्ष 1839 से 2026 तक 187 वर्षों की यह यात्रा अपने आप में अद्भुत है। चौधरी परिवार की अनेक पीढ़ियां बदल गईं, रियासत का दौर इतिहास बन गया, समय ने करवटें लीं, लेकिन मदन मोहन जी महाराज के चरणों में पोशाक अर्पित करने की यह परंपरा कभी नहीं टूटी।यह परंपरा चौधरी परिवार के लिए केवल एक धार्मिक दायित्व नहीं, बल्कि पूर्वजों से प्राप्त आस्था की विरासत और आने वाली पीढ़ियों के लिए सौंपे जाने वाला संस्कार है।प्रति वर्ष जन्माष्टमी पर चौधरी के परिवार के वंशज गाजे-बाजे के साथ प्रमुख बाजारों से होते हुए नाचते-गाते श्री मदन मोहन जी महाराज के मंदिर पहुंचते हैं।

थालों में श्री मदन मोहन जी, गोपाल जी, राधा रानी और ललिता सखी जी की मनोहारी पोशाकें, पंचमेवा, फल, श्रीफल तथा सेवादारों के वस्त्र श्रद्धापूर्वक सजाए जाते हैं।मंदिर पहुंचने के पश्चात होने वाला नंदोत्सव इस परंपरा का सबसे भावुक और मनोहारी पक्ष है। मंदिर के चौक में एक ओर नंद बाबा के स्वरूप में मंदिर के प्रमुख गोसाईं जी विराजमान होते हैं और उनके सामने जाजम पर चौधरी परिवार के सदस्यों को ससम्मान बैठाया जाता है।

चारों ओर बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस ऐतिहासिक परंपरा के साक्षी बनते हैं। लगभग दो घंटे तक श्रीकृष्ण जन्म की बधाइयां, भजन और मंगलगान होते हैं। पारंपरिक ढाढ़ा-ढाढ़ी नृत्य अपनी विशिष्ट लोक संस्कृति के रंग बिखेरता है। भजनों की स्वर लहरियां मंदिर परिसर को भक्तिरस से भर देती हैं और न्यौछावरों के बीच-मदन मोहन बंसी वाले की जय !के जयघोष से पूरा मंदिर प्रांगण गूंज उठता है।

झांकी के दर्शन खुलने के साथ नंदोत्सव का समापन होता है। मंदिर की ओर से चौधरी परिवार के सदस्यों को दूर्वा, फल, प्रसाद एवं अन्य भेंट प्रदान कर सम्मानपूर्वक विदा किया जाता है।चौधरी परिवार के लिए यह केवल परंपरा नहीं, गौरव की विरासत है188वीं पोशाक यात्रा के इस ऐतिहासिक अवसर पर चौधरी परिवार के प्रत्येक वंशज के लिए यह क्षण अत्यंत गौरव और भावुकता से भरा है। जिस परंपरा की शुरुआत पूर्वज चौधरी की भक्ति से हुई थी, उसे आज सातवीं पीढ़ी उसी श्रद्धा से आगे बढ़ा रही है।

यह चौधरी परिवार के लिए गर्व का विषय ही नहीं, बल्कि पूर्वजों के चरणों से मिली वह अमूल्य धरोहर है, जिसे प्रत्येक पीढ़ी अपने हृदय में संजोकर अगली पीढ़ी को सौंपती आ रही है।श्री मदन मोहन जी महाराज की कृपा से यह पावन परंपरा इसी प्रकार अनंत काल तक चलती रहे,यही की प्रार्थना है।नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की।

सार-समाचार

पुलिस ने 470 पाबंद और 21 हिस्ट्रीशीटरों पर कार्रवाई की

हिण्डौन सिटी, (निसं)। नगर परिषद चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस ने निरोधात्मक कार्रवाई तेज कर दी है। चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी, विवाद अथवा कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न नहीं हो, इसके लिए कोतवाली और नई मंडी थाना पुलिस ने अब तक कुल 470 लोगों को पाबंद किया है। वहीं दोनों थाना क्षेत्रों में 21 हार्डकोर/हिस्ट्रीशीटरों के खिलाफ भी निरोधात्मक कार्रवाई की गई है। कोतवाली थाना प्रभारी महेंद्र सिंह ने बताया कि रिटर्निंग अधिकारी महेश चंद्र मान के निर्देश पर चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए बीएनएस की धारा 107 व 116 के तहत 100 लोगों को पाबंद कराया गया है। इसके साथ ही बीएनएस की धारा 110 के तहत 17 हिस्ट्रीशीटरों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। कोतवाली थाना क्षेत्र में नगर परिषद के 37 वार्ड आते हैं। इन वार्डों के लिए 55 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। पुलिस के अनुसार इनमें 26 मतदान केंद्र संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील श्रेणी में हैं, जबकि 16 मतदान केंद्र अतिसंवेदनशील श्रेणी में रखे गए हैं। ऐसे मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस विशेष सतर्कता बरत रही है। इसी तरह नई मंडी थाना प्रभारी नरेश पोसवाल ने बताया कि रिटर्निंग अधिकारी के निर्देश पर चुनाव आचार संहिता की पालना और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित कराने के लिए 370 लोगों को पाबंद कराया गया है। इसके अलावा 4 हिस्ट्रीशीटरों के खिलाफ भी निरोधात्मक कार्रवाई की गई है। नई मंडी थाना क्षेत्र में नगर परिषद के 23 वार्ड आते हैं और इन वार्डों के लिए 32 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। पुलिस द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों और ऐसे लोगों पर विशेष नजर रखी जा रही है, जिनसे चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

करौली, (निसं)। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार साइबर सुरक्षित राजस्थान अभियान के तहत वीणा मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में साइबर अपराधों से बचाव एवं साइबर सुरक्षा के संबंध में जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन के प्रशिक्षक रेनू शर्मा हेड कांस्टेबल एवं रणवीर सिंह कांस्टेबल के द्वारा छात्र,छात्राओं को डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ठगी, साइबर फ्रॉड, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया अपराध, साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 एवं एन सी आर पी पोर्टल के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही साइबर अपराध होने पर तत्काल 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराने एवं सतर्क डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। प्रशिक्षक हेड कांस्टेबल रेनू एवं कांस्टेबल हेमवीर सिंह द्वारा उपस्थित छात्राओं को साइबर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई तथा साइबर अपराधों से बचाव केव्यावहारिक उपाय बताए गए।कार्यक्रम के अंत में छात्राओं को जागरूक बनें, सतर्क रहें और साइबर अपराध से सुरक्षित रहें का संदेश देते हुए साइबर सुरक्षा के प्रति स्वयं जागरूक रहने एवं अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी जागरूक करने का आ ान किया गया।

बांके बिहारी मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

भरतपुर, (निसं)। ब्रज क्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि से जुड़ी आस्था और परंपराओं के बीच भरतपुर के आराध्यदेव प्रसिद्ध श्री बांके बिहारी मंदिर में जन्माष्टमी के अवसर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन और प्राकट्यय उत्सव में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे हैं। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में भक्तों की भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए हैं। मंदिर के कार्यभार पुजारी देवेंद्र भारद्वाज ने बताया कि आज भगवान श्रीकृष्ण का प्राकट्यय उत्सव यानी जन्माष्टमी बड़े ही धूमधाम और श्रद

अंत्योदय कार्डों में फर्जीवाड़े पर झुंझुनूं कलैक्टर सख्त, 122 कार्ड जांच के घेरे में

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में अंत्योदय अन्न योजना का लाभ लेने के लिए राशन कार्डों की श्रेणी बदलने में कथित अनियमितता का मामला सामने आया

- 122 प्रकरणों में सबसे ज्यादा 50 मामले विकास अधिकारी, उदयपुरवाटी क्षेत्र के सामने आए हैं, नगर पालिका नवलगढ़ में 30 और विकास अधिकारी, नवलगढ़ क्षेत्र में 22 प्रकरण हैं
- मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला कलैक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने संबंधित राशन कार्डों और ई-मित्र आईडी की जांच के आदेश दिए

झुंझुनूं, (निसं)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) का लाभ लेने के लिए राशन कार्डों की श्रेणी बदलने में कथित अनियमितता का बड़ा मामला सामने आया है। जिले में 122 राशन कार्डों को प्राथमिकता परिवार (पीएचएच) श्रेणी से अंत्योदय (एएवाई) श्रेणी में नियम विरूद्ध तरीके से परिवर्तित किए जाने की प्रारंभिक जांच में पुष्टि हुई है। कई मामलों में अंत्योदय श्रेणी के लिए पात्रता संबंधी वैध दस्तावेज आवेदन के साथ संलग्न नहीं मिले। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला कलैक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने संबंधित राशन कार्डों और ई-मित्र आईडी की जांच के आदेश दिए हैं।

जांच में सामने आया कि कई परिवारों ने ई-मित्र के माध्यम से अंत्योदय श्रेणी में चयन के लिए आवेदन किया, लेकिन पात्रता साबित करने वाले जरूरी दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए। कुछ आवेदन अपूर्ण पाए गए तो कुछ राशन कार्डों में अन्य संशोधनों के साथ श्रेणी परिवर्तन भी किया गया। अब प्रशासन ने पूरे मामले में आवेदन से लेकर अनुमोदन तक की प्रक्रिया की जांच शुरू कर दी है।

जिला रसद अधिकारी संदीप गौड़ ने बताया कि संबंधित 122 राशन कार्डधारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस प्राप्त होने के सात दिन के भीतर जिला रसद कार्यालय में उपस्थित होकर वैध दस्तावेजों सहित स्पष्टीकरण देना होगा। निर्धारित समय में दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने अथवा पात्रता साबित नहीं होने की स्थिति में गेहूं की राशि 30.57 रूपए प्रति किलो की दर से वसूल की जाएगी।

मामले में ई-मित्र संचालकों की भूमिका भी जांची जाएगी। संबंधित ई-मित्र आईडी की सूची सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा संबंधित अधिकारियों को भेजी गई है। प्रशासन ने ई-मित्र संचालकों को निर्देश दिए हैं कि अंत्योदय श्रेणी के आवेदन केवल वैध दस्तावेजों के आधार पर ही किए जाएं। लापरवाही या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर संबंधित ई-मित्र संचालक के खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

प्रारंभिक जांच में यह बात भी सामने आई है कि कुछ मामलों में नगर निकाय एवं पंचायत समिति के कार्मिकों ने राशन कार्डों का अनुमोदन करते समय अंत्योदय श्रेणी के लिए जरूरी दस्तावेजों की पर्याप्त जांच नहीं की। ऐसे में श्रेणी परिवर्तन का अनुमोदन करने वाले संबंधित कार्मिक भी जांच के दायरे में रहेंगे। जिला कलैक्टर डॉ. अरूण गर्ग के निर्देश पर संबंधित विकास अधिकारियों और नगर निकाय अधिकारियों को प्रकरणों की जांच के निर्देश दिए गए हैं। जांच में आवेदन पत्र, संलग्न दस्तावेज, श्रेणी परिवर्तन की प्रक्रिया और अनुमोदन से जुड़े रिकॉर्ड की पड़ताल की जाएगी।

35 किलो गेहूं के लिए बदली श्रेणी? :- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत पीएचएच श्रेणी के परिवारों को प्रति सदस्य प्रतिमाह 5 किलो गेहूं, जबकि अंत्योदय परिवार को प्रति राशन कार्ड 35 किलो गेहूं दिया जाता है। ऐसे में दोनों श्रेणियों के बीच मिलने वाले गेहूं की मात्रा में बड़ा अंतर है। जिले में संबंधित राशन कार्डों की श्रेणी में बदलाव फरवरी-मार्च 2025 के दौरान किए गए थे। प्रशासन अब यह जांच कर रहा है कि श्रेणी परिवर्तन नियमानुसार हुआ था या नहीं।

उदयपुरवाटी में सबसे ज्यादा मामले :- 122 प्रकरणों में सबसे ज्यादा 50 मामले विकास अधिकारी, उदयपुरवाटी क्षेत्र के सामने आए हैं। इसके बाद नगरपालिका नवलगढ़ में 30 और विकास अधिकारी, नवलगढ़ क्षेत्र में 22 प्रकरण हैं। नगरपालिका उदयपुरवाटी में 7 मामले मिले हैं। शेष मामले अन्य पंचायत समितियों एवं नगर निकायों से जुड़े हैं।

जांच के बाद तय होगी जिम्मेदारी :- 122 कार्डों की जांच के आदेश के बाद अब कार्डधारी, ई-मित्र संचालक और अनुमोदन करने वाले कार्मिक-तीनों स्तरों पर जिम्मेदारी तय होने की संभावना है। सात दिन में कार्डधारियों से प्राप्त होने वाले दस्तावेज और स्पष्टीकरण के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अपात्र पाए जाने वालों से सरकारी गेहूं की राशि वसूलने के साथ नियमों की अनदेखी करने वालों पर कार्रवाई का रास्ता भी साफ होगा।

उदयपुर में हिस्ट्रीशीटर और उसके गुर्गों ने दो घरों पर फायरिंग की

- जिसके घर फायरिंग हुई, उसका भी आपराधिक रिकॉर्ड बताया जा रहा है
- पुलिस ने फायरिंग करने वाले हिस्ट्रीशीटर सहित तीन आरोपियों को डिटेन कर लिया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर के अंबामाता थाना क्षेत्र के मल्लातलाई इलाके में गुरूवार देर रात करीब एक बजे बाइक और स्कूटी पर चार बदमाशों ने दो गलियों में अलग-अलग घरों के बाहर फायरिंग की दो घटना को अंजाम दिया है। वारदात में हिस्ट्रीशीटर शामिल है, जिसने खुद गुर्गों के साथ मिलकर फायरिंग की, जिसके घर फायरिंग हुई उसका भी आपराधिक रिकॉर्ड है। क्षेत्र में वर्चस्व और खौफ कायम करने की बदमाशों की आपसी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया है। शहर में लगातार पांच दिन में फायरिंग की चार वारदातों से न सिर्फ शहरवासियों में दहशत है, बल्कि इन वारदातों ने पुलिस की भी नींद उड़ायी हुई है। फायरिंग की इस वारदात के बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे और बदमाशों की धरपकड़ की जा रही है। पुलिस ने फायरिंग करने वाले हिस्ट्रीशीटर सहित तीन आरोपियों को डिटेन कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीती रात करीब एक बजे मल्लातलाई स्थित एक गली में हिस्ट्रीशीटर बाइक पर गुर्गे के साथ पहुंचा। हिस्ट्रीशीटर ने विरोधी अरबाज के घर पर कांच की बोतलें फेंकी और अवैध देशी कट्टे से फायरिंग की फरार हो गया। वहीं दूसरी गली में अरबाज के दोस्त मोहम्मद आरिफ के घर के बाहर स्कूटी पर हिस्ट्रीशीटर के दूसरे गुर्गे पहुंचे। इन दोनों ने आरिफ के घर पर कांच की बोतलें फेंकी और फायरिंग कर फरार हो गए। अरबाज जिसके घर फायरिंग हुई उसका भी आपराधिक रिकॉर्ड है। फायरिंग करने वाला हिस्ट्रीशीटर और जिसके घर फायरिंग हुई ये बदमाश क्षेत्र और विरोधी बदमाशों में खौफ कायम करने एक दूसरे को डराते धमकाते हैं, इसी उद्देश्य से यह फायरिंग की वारदात हुई। उदयपुर शहर में खौफ और वर्चस्व कायम करने बदमाशों में फायरिंग हो रही है। आशंका है कि शहर में अवैध हथियारों की तस्करी भी बढ़ी है। अवैध हथियार उदयपुर में सप्लाई हो रहे हैं तभी बदमाशों द्वारा बेखौफ चलाए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार 29 अगस्त की आधी रात हिस्ट्रीशीटर मुजफ्फर उर्फ गोगा के गुर्गों उस्मान और मोहसीन काना सहित अन्य ने विरोधी फरदीन पर फायरिंग कर गोली मारी थी। वारदात में फरदीन गंभीर घायल हुआ था। इस रात इन बदमाशों ने फायरिंग करते हुए इनकी गाड़ियां सड़कों पर दौड़ायी थीं। जिसने पुलिस की रात्री सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए थे। पुलिस ने मुजफ्फर उर्फ गोगा को तो उसी दिन पकड़ लिया था, हालांकि फायरिंग करने वाले बदमाश अभी फरार हैं। 1 सितंबर की दोपहर शहर के व्यस्ततम पर्यटन क्षेत्र सहेली मार्ग स्थित मीरा पार्क के पास शादाब खान उर्फ अली गाइड ने हिस्ट्रीशीटर इरफान खान पर फायरिंग कर गोली मार दी थी। इसमें इरफान खान घायल हुआ था। पुलिस ने आरोपी गिरफ्तार कर लिए हैं। 1 सितंबर को ही डबोक के मंदेसर स्थित घर में घुसकर बदमाशों ने फायरिंग, तोड़फोड़ की थी और विवाहिता का अपहरण कर ले गए थे। पुलिस ने आरोपी गिरफ्तार कर लिए हैं।

रुदावल में आकाशीय बिजली गिरने से किशोर की मौत, दो घायल

- तीनों बारिश से बचने के लिए एक पेड़ के नीचे बैठे थे, इसी दौरान आकाशीय बिजली गिर गई

रुदावल/भरतपुर, (निसं)। जिले के रुदावल थाने क्षेत्र के गांव डुमरिया में शुक्रवार दोपहर बारिश के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। डुमरिया गांव के जंगल में आकाशीय बिजली गिरने से 17 वर्षीय किशोर की मौत हो गई, जबकि उसका बड़ा भाई और करीब 60 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों बारिश से बचने के लिए एक पेड़ के नीचे बैठे थे, इसी दौरान पेड़ पर आकाशीय बिजली गिर गई। हादसे के बाद दोनों घायलों को बयाना अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में भरतपुर रेफर कर दिया गया।

घायल केशर देवी के अनुसार, डुमरिया गांव निवासी नितेश गुर्जर (17) अपने बड़े भाई सुनील गुर्जर (18) और करीब 60 वर्षीय केशर देवी के साथ गांव के जंगल में खेतों की ओर मवेशी चराने गए थे। इसी दौरान शुक्रवार दोपहर अचानक मौसम बदल गया। आसमान में घने बादल छा गए और तेज गर्जना के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए तीनों पास ही स्थित एक पेड़ के नीचे बैठ गए। कुछ देर बाद अचानक तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली पेड़ पर गिर गई। बिजली की चपेट में आने से नितेश गुर्जर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका बड़ा भाई सुनील और केशरदेवी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलने पर आसपास मौजूद लोग और परिजन मौके पर पहुंचे। दोनों घायलों को तत्काल बयाना अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने सुनील और केशरदेवी को भरतपुर रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर रुदावल थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने किशोर के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

अजमेर कांग्रेस में ऑनलाइन टिकट वितरण को लेकर उठ रहे हैं विवाद

वार्ड 67 के टिकट ने खोली अजमेर कांग्रेस की अंदरूनी सियासत की परतें

- टिकट के लिए आवेदन करने वाले कई दावेदारों को दरकिनार कर गोविंदराम जादम को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद टिकट वितरण की प्रक्रिया को लेकर चर्चाओं का दौर तेज
- टिकट वितरण को लेकर आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राठौड़ की भूमिका भी कांग्रेस के भीतर चर्चा का विषय बनी हुई है

अजमेर, (कासं)। नगर निगम चुनाव 2026 में नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनावी तस्वीर साफ हो चुकी है, लेकिन कांग्रेस में टिकट वितरण को लेकर उठे विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। खासकर वार्ड 67 में टिकट वितरण को लेकर पार्टी के भीतर ही सवाल उठाए जा रहे हैं। टिकट के लिए आवेदन करने वाले कई दावेदारों को दरकिनार कर गोविंदराम जादम को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद कांग्रेस के अंदरूनी समीकरणों और टिकट वितरण की प्रक्रिया को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।

कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व की ओर से टिकट के लिए ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था लागू की गई थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की ओर से यह स्पष्ट किया गया था कि ऑनलाइन आवेदन नहीं करने वाले दावेदारों को टिकट नहीं दिया जाएगा। ऐसे में वार्ड 67 में टिकट वितरण को लेकर पार्टी के ही नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच यह सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है कि यदि किसी दावेदार ने ऑनलाइन आवेदन नहीं किया था तो उसे टिकट किस आधार पर मिला।

आवेदन करने वाले दावेदार रह गए पीछे :- वार्ड 67 से शंकर गुरु के पुत्र ओम शर्मा, अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग के महासचिव खुशवंत रोहिल्ला तथा वरिष्ठ कांग्रेसी कार्यकर्ता अशोक मेहरा सहित कई लोगों ने टिकट के लिए दावेदारी जताई थी। इसके बावजूद गोविंदराम जादम को पार्टी प्रत्याशी बनाए जाने से टिकट के इच्छुक दावेदारों में असंतोष की चर्चा है। पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं का आरोप है कि टिकट वितरण में स्थानीय संगठन और लंबे समय से पार्टी के लिए काम कर रहे कार्यकर्ताओं की दावेदारी की अपेक्षा अन्य राजनीतिक समीकरणों को अधिक महत्व दिया गया। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

टिकट वितरण को लेकर आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राठौड़ की भूमिका भी कांग्रेस के भीतर चर्चा का विषय बनी हुई है। पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं का दावा है कि अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में टिकट वितरण के माध्यम से राठौड़ अपने राजनीतिक प्रभाव का आधार मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

समर्थकों को टिकट मिलने से बढ़ी नजदीकी, असंतुष्टों में नाराजगी :- कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं के बीच यह भी चर्चा है कि जिन नेताओं और कार्यकर्ताओं को टिकट मिला है, वे अपने चुनाव कार्यालयों के उद्घाटन और जनसंपर्क कार्यक्रमों में धर्मेंद्र सिंह राठौड़ को प्रमुखता दे रहे हैं। वहीं टिकट से वंचित रहे कुछ दावेदार और उनके समर्थक खुले तौर पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। टिकट वितरण के विरोध में कुछ स्थानों पर राठौड़ के विरोध में प्रदर्शन और पुतले जलाए गये थे, इससे साफ है कि नगर निगम चुनाव के बीच कांग्रेस के भीतर टिकट को लेकर असंतोष सतह पर आ गया है। कार्यकर्ताओं का एक वर्ग यह भी मानता है कि चुनाव परिणाम चाहे जो रहें, टिकट वितरण की पूरी प्रक्रिया का राजनीतिक श्रेय और जिम्मेदारी शहर कांग्रेस नेतृत्व पर भी आएगी। यदि कांग्रेस नगर निगम में बोर्ड बनाने में सफल रहती है तो संगठन के नेतृत्व को इसका श्रेय मिलेगा, जबकि असफलता की स्थिति में टिकट वितरण को लेकर उठे सवाल और अधिक तेज होने की संभावना है।

युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 62 पर खेड़ापा के पास सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा तेज रफ्तार ट्रक और बाइक के बीच हुई भिड़ंत के कारण हुआ। सूचना मिलते ही खेड़ापा थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान लोरड़ी पंडितजी निवासी किलाराम पुत्र मोहनराम सरगरा के रूप में हुई है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को साइड में करवाकर यातायात सामान्य किया। इसके बाद पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर बावड़ी राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

जोधपुर में हैण्डीक्राफ्ट फैक्टरी में भीषण आग लगी

- आठ दमकलों ने मिलकर दो घंटे में आग पर काबू पाया

जोधपुर, (कासं)। शहर के बोरानाडा स्थित पेप्सी तिराहा से आगे एक हैण्डीक्राफ्ट फैक्टरी में सुबह आग लग गई। आग से लाखों का माल जलकर नष्ट हो गया। आठ दमकलों ने दस बारह फेरे कर दो घंटे से अधिक समय में इस आग पर काबू पाया। आगजनी में कोई हताहत नहीं हुआ है। आग लगने का प्रथम दृष्टया कारण शार्ट सर्किट माना जा रहा है।

बासनी फायर स्टेशन के प्रभारी प्रशांत सिंह ने बताया कि बोरानाडा स्थित पेप्सी फैक्टरी के आगे एक हैण्डीक्राफ्ट की फैक्टरी आई हुई है, जिसका मालिक संजय भाटी है। सुबह सूचना मिली कि फैक्टरी में आग लगी है। इस पर बासनी से 2, शास्त्रीनगर 2, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड 1, बोरानाडा से दो और नागौरी गेट से एक गाड़ी को वहां बुलाया गया। आग की तीव्रता ज्यादा होने पर दमकलों को दो- दो फेरे तक करने पड़े। प्रभारी प्रशांत सिंह के अनुसार आग को काबू करने में तकरीबन दो घंटे लगे। इसमें कोई हताहत नहीं हुआ है। काफी नुकसान पहुंचा है। आग लगने का कारण प्रथम दृष्टया शार्ट सर्किट लग रहा है। अग्रिम पड़ताल जारी है।

जहरीला चारा खाने से 10 पशु बीमार

रामगंजमंडी, (निसं)। क्षेत्र के रिछड़िया गांव में जहरीला चारा खाने से 10 पशु बीमार हो गए। परिजनों और ग्रामीणों की मदद से सभी बीमार पशुओं को तत्काल राजकीय बहुद्देशीय पशु चिकित्सालय रामगंजमंडी लाया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, रिछड़िया निवासी नंदलाल गुर्जर के मवेशी बारिश के मौसम में खेत व आसपास उगी अवांछित झाड़ियों और चारे को खा रहे थे। चारा खाने के कुछ ही देर बाद पशुओं की तबीयत बिगड़ने लगी।

रूपनगढ़ में 32 हजार किलो से अधिक खाद्य स्टॉक जब्त

- फर्श पर गिरे और टूटे नूडल्स के दोबारा इस्तेमाल सहित कई अनियमितताएं सामने आईं, बिना लाइसेंस उत्पादन का भी मामला
- कुछ उत्पादों पर पुरानी पैकेजिंग तारीखों के इस्तेमाल का मामला भी जांच में सामने आया

रूपनगढ़, (कासं)। रूपनगढ़ स्थित सीजी फूड्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की इकाई में खाद्य सुरक्षा मानकों के कथित उल्लंघन का मामला सामने आया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की टीम ने निरीक्षण के दौरान करीब 32,107 किलोग्राम खाद्य स्टॉक जब्त किया है। अधिकारियों ने मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

जांच के दौरान अधिकारियों को यूनिट में फर्श पर गिरे और टूटे हुए नूडल्स को दोबारा इस्तेमाल कर भुजिया उत्पाद तैयार किए जाने की जानकारी मिली। जांच में निर्धारित हीट ट्रीटमेंट प्रक्रिया को लेकर भी अनियमितता सामने आने की बात कही गई है। इसके अलावा कुछ उत्पादों पर पुरानी पैकेजिंग तारीखों के इस्तेमाल का मामला भी जांच में सामने आया।

जांच के दौरान 'वाई-वाई मा मा' और 'वाई-वाई मामा पुंटे' नाम से भुजिया उत्पादों का कथित रूप से आवश्यक लाइसेंस के बिना उत्पादन किए जाने की जानकारी मिली। एफएसएसएआई ने कंपनी को आवश्यक मंजूरी के बिना वेज भुजिया नमकीन का उत्पादन तत्काल बंद करने के निर्देश दिए हैं।

निरीक्षण के दौरान यूनिट की सफाई व्यवस्था में भी कई कमियां पाए जाने की बात सामने आई। इसके साथ ही आवश्यक दस्तावेजों में खामियां और पर्याप्त पेस्ट-कंट्रोल रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने की जानकारी भी जांच टीम ने दर्ज की। एफएसएसएआई की टीम ने प्रयोगशाला जांच के लिए नूडल्स, वेज भुजिया, इस्तेमाल किए गए कुकिंग ऑयल तथा 'वाई-वाई रेडी टू ईट नूडल्स' के नमूने लिए हैं। इसके अलावा करीब 1,925 बॉक्स तैयार उत्पादों को भी रोक दिया गया है, जिन्हें एक्सपायर्ड बताया गया है।

एफएसएसएआई ने कंपनी एवं संबंधित खाद्य कारोबार संचालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार आगे की कार्रवाई प्रयोगशाला जांच की रिपोर्ट और निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों के आधार पर की जाएगी। फिलहाल जब्त खाद्य स्टॉक और लिए गए नमूनों की जांच प्रक्रिया जारी है।

झांसा देकर खाते से 3.60 लाख रुपये पार किए

जोधपुर, (कासं)। शहर के पाल लिंक रोड कमला नगर अस्पताल के पास रहने वाले एक शख्स के साथ शातिर ने साइबर ठगी कर ली। उसे लोन दिलाने का झांसा देकर 3.60 लाख रूपए बैंक खाते से उड़ा लिए। पता लगने पर पीड़ित की तरफ से साइबर पोर्टल पर शिकायत दी गई। अब देवनगर पुलिस ने आईटी एक्ट एवं धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। घटना 28-29 अगस्त की है।

देवनगर थानाधिकारी कमल किशोर ने बताया कि कमला नगर अस्पताल पाल लिंक रोड स्थित महावीर नगर निवासी दिलीप पुत्र बाबूलाल माहेश्वरी की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि 28 अगस्त को उसके पास में किसी शख्स का कॉल आया और लोन देने की बात की। पांच लाख के लोन के लिए उसने व्हाट्सएप पर बाद में लिंक भेजा। इसके बाद पीड़ित ने लिंक को खोला तब उसके बैंक एकाउंट से पहली बार में 1.90 लाख फिर 1.70 लाख रूपए विड्राल कर लिए गए। पीड़ित की तरफ से साइबर पोर्टल पर भी शिकायत दी गई।

छबड़ा में देर रात से बारिश का दौर जारी, चुनाव प्रचार की रफ्तार थमी

छबड़ा, (निसं)। नगर पालिका चुनाव को लेकर शहर में चल रहे चुनाव प्रचार अभियान पर मौसम ने ब्रेक लगा दिया है। देर रात से लगातार हो रही बारिश के चलते शुक्रवार को चुनावी गतिविधियों की रफ्तार धीमी पड़ गई। बारिश के कारण प्रत्याशियों के जनसंपर्क और प्रचार कार्यक्रम प्रभावित हुए तथा कई स्थानों पर सड़कों और बाजारों में भी सामान्य दिनों की अपेक्षा आवाजाही कम नजर आई। नगर पालिका के 35 वार्डों में प्रत्याशी इन दिनों घर-घर संपर्क कर मतदाताओं से समर्थन मांग रहे हैं। सुबह से ही प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की टोलियां विभिन्न वार्डों में जनसंपर्क के लिए निकलती हैं, लेकिन बारिश के चलते शुक्रवार को प्रचार अभियान प्रभावित रहा। लगातार बारिश के कारण प्रत्याशियों को अपने निर्धारित कार्यक्रमों में बदलाव करना पड़ा।

हालांकि मौसम खराब होने के बावजूद चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशी और उनके समर्थक प्रचार को पूरी तरह रोकने के बजाय मौसम खुलने का इंतजार करते नजर आए। कई प्रत्याशियों ने बारिश थमने के बाद सीमित स्तर पर जनसंपर्क करने की रणनीति अपनाई। चुनावी मुकाबला नजदीक आने के साथ प्रत्याशी एक-एक मतदाता तक पहुंचने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

लगातार बारिश के कारण कच्चे रास्तों और गलियों में आवागमन प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में दूर-दराज के क्षेत्रों में जनसंपर्क करना प्रत्याशियों के लिए चुनौती बन गया है।

जोधपुर में मानसून सीजन की 65 फीसदी कम बरसात

जोधपुर, (कासं)। शहर में शुक्रवार को मौसम साफ बना रहा। हालांकि इसके साथ ही हल्के बादल भी छाए रहे, लेकिन बारिश नहीं हुई।

मौसम विभाग के अनुसार 9 सितंबर तक बारिश का अलर्ट नहीं है। शहर में अगस्त महीने के शुरुआती कुछ दिनों के बाद से बारिश नहीं हुई है। महीनेभर से शहर सूखा है। तापमान में भी पिछले कुछ दिनों से बढ़ोतरी हुई है। शहर में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 34 और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आने वाले कुछ दिनों में बारिश नहीं होने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के अनुसार एक सितंबर तक जोधपुर में एक जून से सामान्य से 65 प्रतिशत कम बारिश हुई है। सामान्य बारिश 254.7 एमएम होनी चाहिए थी, जबकि इस बार केवल 189.2 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई, जो कि मानसून सीजन क सामान्य से 65.5 फीसदी कम है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों के लिए जोधपुर शहर में किसी भी तरह का कोई बारिश का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। हालांकि इस दौरान बादल छाए रहेंगे।

श्रीगंगानगर में मैदा बनाने वाली कंपनी से 54 लाख रुपए की धोखाधड़ी

- ग्यारह हजार क्विंटल मैदा खरीदकर भुगतान रोका, गुजरात-महाराष्ट्र के 7 कारोबारियों पर केस दर्ज

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां मैदा बनाने वाली कंपनी से करीब 54 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि गुजरात और महाराष्ट्र के कारोबारियों ने खुद को एक ही बिजनेस ग्रुप से जुड़ा बताकर 2025-26 में करीब 11 हजार क्विंटल मैदा खरीदा। शुरुआत में समय पर भुगतान करने के बाद फरवरी 2026 से भुगतान रोक दिया गया। करीब 65 लाख रुपए बकाया होने पर 11 लाख रुपए आरटीजीएस से दिए गए, लेकिन बाकी रकम नहीं चुकाई गई। चूनावढ़ थाना पुलिस ने सात नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मंगला एग्रो फूड्स (नेतेवाला) के पार्टनर विलास मंगला ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उनकी फर्म 2023-24 में शुरू हुई थी। जुलाई 2025 में मोबाइल से विनोद बरोट नाम के व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया। उसने खुद को कई प्रतिष्ठानों का संचालन करने वाला बताया और बल्क में मैदा खरीदने की बात कही। पहले ऑर्डर में दो ट्रक राधे कृष्णा एंटरप्राइजेज, अहमदाबाद और एक ट्रक वीएम सोमया, राजकोट के नाम पर बुक किए गए। बाद में एक ऑर्डर पोयम एंटरप्राइजेज के नाम पर बदल दिया गया। विनोद बरोट ने राधे कृष्णा एंटरप्राइजेज, पोयम एंटरप्राइजेज, खुशी कॉर्पोरेशन, त्रएव्ठ इंडस्ट्रियल (नासिक), ग्वालियर एडिबल्स, नील्योग एग्रो प्रोडक्ट्स, डुग्गु एग्रो एंड फूड और रतनकांत एग्रो इंडस्ट्रीज समेत कई फर्मों के नाम बताए। उसने दावा किया कि ये सभी फर्म एक ही बिजनेस ग्रुप की हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इन फर्मों को 2025-26 में करीब 11 हजार क्विंटल मैदा सप्लाई किया गया। शुरुआत में सभी फर्मों की ओर से समय पर भुगतान होता रहा। इससे कंपनी का कारोबारियों पर भरोसा बढ़ गया और लगातार मैदा सप्लाई किया जाता रहा। फरवरी 2026 से अचानक ऑर्डर बंद हो गए। उस समय कंपनी का करीब 65 लाख रुपए का भुगतान बकाया था। विलास मंगला ने जब भुगतान के लिए संपर्क किया तो विनोद बरोट ने उन्हें आश्वासन दिया। मई 2026 में उसने विलास मंगला को अहमदाबाद बुलाया और वहां से मुंबई ले जाकर वाशी स्थित ऑफिस में मीटिंग करवाई। मीटिंग में प्रशांत निखारजे, विवेक हरीशचंद्र जाधव, जुनैद खान, रामयज्ञ रामकरण मिश्रा, गौरीधर, केतन बरोट समेत अन्य लोग मौजूद थे। इस दौरान कंपनी को11 लाख रुपए का भुगतान किया गया और बाकी रकम जल्द देने का आश्वासन दिया गया। इसके बाद कोई और भुगतान नहीं किया गया।

आरोप है कि इसके उलट इंडस्ट्रियल की ओर से करीब तीन महीने पुराना मैदा कंपनी की सहमति के बिना वापस भेज दिया गया। इसके बाद श्रीगंगानगर की कंपनी ने अपने कर्मचारी जयपाल को भुगतान के संबंध में जानकारी लेने अहमदाबाद और मुंबई भेजा। वहां जयपाल की विनोद बरोट और प्रशांत से बात हुई तो दोनों ने एक-दूसरे को नहीं जानने की बात कही। बाकी लोगों ने भी विनोद या प्रशांत को जानने से इनकार कर दिया और कंपनी का भुगतान करने से मना कर दिया। इसके बाद विनोद बरोट ने कथित तौर पर खुद कहा कि सभी ने मिलकर धोखा किया है और उसका इन लोगों के साथ कोई सीधा कारोबार नहीं है। वहीं, प्रशांत निखारजे ने भी रात में फोन पर कहा कि धोखाधड़ी होनी थी, जो हो गई और अब पैसे नहीं देने हैं। इसके बाद विलास मंगला ने विनोद बरोट, प्रशांत निखारजे, विवेक हरीशचंद्र जाधव, जुनैद खान, गौरीधर, केतन बरोट और रामयज्ञ रामकरण मिश्रा के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दी। चूनावढ़ थाना पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच कांस्टेबल गुरप्रीत सिंह कर रहे हैं।

एक ही भर्ती पर अलग-अलग जिलों में अलग नियम सामने आये

बीकानेर, (निसं)। तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती-2022 के संशोधित परिणाम से प्रभावित शिक्षकों के मामले में प्रदेश में एक ही भर्ती के बावजूद अलग-अलग जिलों में अलग व्यवस्था सामने आ रही है। कुछ जिलों में प्रभावित शिक्षकों का वेतन नियमन और स्थायीकरण कर दिया गया है, जबकि करीब 500 शिक्षक अब भी अपने अधिकार के लिए विभागीय कार्यालयों और सचिवालय के चक्कर काट रहे हैं। करीब एक वर्ष पहले हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने प्रभावित शिक्षकों के पक्ष में फैसला दिया था। इसके बाद राज्य सरकार ने भी मामले में 'नो अपील' का निर्णय लिया। इसके बावजूद सभी प्रभावित शिक्षकों को समान रूप से राहत नहीं मिल पाई है। प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, पाली, अलवर, कोटपूतली-बहरोड़, जयपुर, खैरथल-तिजारा, नागौर और झुंझुनूं सहित कई जिलों में शिक्षकों का वेतन नियमन और स्थायीकरण किया जा चुका है।

महात्मा गांधी विद्यालयों में कार्यरत प्रभावित शिक्षकों को भी इसका लाभ मिल चुका है। प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर की ओर से पूर्व में कहा गया था कि आगामी न्यायिक निर्णय के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। शिक्षकों का कहना है कि मामले में डिवीजन बेंच का फैसला अगस्त 2025 में आ चुका है और सरकार 'नो अपील' का निर्णय भी ले चुकी है। इसके बावजूद सभी जिलों में एक समान आदेश जारी नहीं किए गए। प्रभावित शिक्षक बताते हैं कि मुख्यमंत्री स्तर पर 4 अप्रैल 2025 को हुई बैठक में भी इस मामले को लेकर निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ने से शिक्षकों में नाराजगी है। 1300 शिक्षक हुए प्रभावित, करीब 1000 अभी कार्यरत भर्ती के संशोधित परिणाम से कुल करीब 1300 शिक्षक प्रभावित हुए थे। इनमें लगभग 1000 शिक्षक वर्तमान में कार्यरत हैं।

''नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की...''

गोविंददेवजी मंदिर में अलसुबह 4 बजे से उमड़े श्रद्धालु, जयकारों से गूंजी छोटीकाशी

जन्माष्टमी पर जयपुर के आराध्यदेव गोविंददेवजी मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शनों के लिए अलसुबह से कतारें लगीं। चौड़ा रास्ता स्थित राधा-दामोदरजी मंदिर में दोपहर 12 बजे भगवान का प्राकट्योत्सव हुआ।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। ''नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की...'' के जयघोष से शुक्रवार को छोटी काशी जयपुर कृष्णमय हो उठी। रिमझिम बारिश के बीच सुबह से देर रात तक शहर के प्रमुख कृष्ण मंदिरों में श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, अभिषेक, श्रृंगार, भजन-कीर्तन, झांकियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। मध्यरात्रि में कान्हा के प्राकट्य के साथ मंदिरों में शंख-घड़ियाल, नगाड़ों और आतिशबाजी के बीच उल्लास छा गया।

गोविंददेवजी में तड़के 4 बजे से दर्शन

छोटी काशी के आराध्य ठाकुर श्री गोविंददेवजी मंदिर में महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में जन्माष्टमी महापर्व मनाया गया। तड़के 4 बजे मंगला झांकी के पट खुले तो श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। रिमझिम बारिश के बावजूद लंबी कतारें लगी रहीं। मंगला झांकी से पहले ठाकुरजी का

- **रात 12 बजे 31 तोपों की गर्जना के बीच हुआ भगवान श्रीकृष्ण का जन्म**
- **गोविंददेवजी मंदिर में 1100 स्वयंसेवकों और 1000 से अधिक पुलिसकर्मियों ने संभाली व्यवस्था**

पंचामृत अभिषेक कर नवीन पीत वस्त्र धारण कराए गए और विशेष पुष्प शृंगार किया गया। मंदिर परिसर को 'बधाई है' और स्वास्तिक की पताकाओं से सजाया गया।

भारी भीड़ को देखते हुए जलेब चौक से प्रवेश और जय निवास बाग के पूर्वी व पश्चिमी गेट से निकासी की व्यवस्था रही। दर्शन पास, बिना जूते-चप्पल और जूते-चप्पल के साथ आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग कतारें बनाई गईं। परिसर में 13 एलईडी स्क्रीन लगाई गईं। हरि कीर्तन और प्रसाद स्टॉलों ने माहौल भक्तिमय बनाए रखा। सुरक्षा के लिए करीब 1100 स्वयंसेवक, 150 स्काउट और 1000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात रहे। मंदिर को 12 सेक्टर में बांटकर तीन पारियों में ड्यूटी लगाई गई। डीसीपी, एडीसीपी और एसीपी स्तर के अधिकारियों के साथ आरएसी कंपनियां व घुड़सवार पुलिस तैनात रही। मेटल डिटेक्टर, सीसीटीवी, एआई कैमरों और फेस रिकॉग्निशन सिस्टम से निगरानी की गई।

रात 10 से 11 बजे तक जन्माष्टमी व्रत कथा हुई। मध्यरात्रि 12 बजे श्रीकृष्ण जन्म के अवसर पर 31 तोपों की हवाई गर्जना और विशेष आतिशबाजी की गई। जन्म के बाद पंचामृत अभिषेक में 425 लीटर दूध, 365 किलो दही, 11 किलो घी, 85 किलो बूरा और 11 किलो शहद का उपयोग किया गया। पंजीरी, लड्डू, खिरसा और रबड़ी कुल्हड़ का भोग लगाया गया।

तीन मंदिरों में दोपहर 12 बजे प्राकट्योत्सव

जयपुर के अधिकांश मंदिरों में श्रीकृष्ण जन्म मध्यरात्रि में मनाया गया, वहीं रामगंज बाजार स्थित श्री लाडलीजी मंदिर, चौड़ा रास्ता स्थित राधा-दामोदरजी मंदिर और नाहरगढ़ पहाड़ी स्थित चरण मंदिर में दोपहर 12 बजे प्राकट्योत्सव हुआ।

लाडलीजी मंदिर में ललित संप्रदायाचार्य संजय गोस्वामी के सान्निध्य में दोपहर 12 से 3 बजे तक ठाकुर किशोरी रमण का जन्मोत्सव मनाया गया। अभिषेक, बधाई गायन, समाज उछाल और प्रसाद वितरण हुआ। राधा-दामोदरजी मंदिर में महंत मलय गोस्वामी के सान्निध्य में करीब 40 मिनट तक पंचामृत से जन्माभिषेक हुआ। चरण मंदिर में भी दोपहर में अभिषेक किया गया।

आज निकलेगी गोविंददेवजी की शोभायात्रा

जन्माष्टमी के अगले दिन शनिवार को गोविंददेवजी की भव्य शोभायात्रा शाम 4.30 बजे श्री गोविंददेवजी मंदिर से रवाना होगी। यह जलेबी चौक, सिरहड्योढ़ी बाजार, बांदरवाल गेट, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, सांगानेरी गेट, बापू बाजार, न्यूगेट, चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, चांदपोल बाजार और बगरू वालों के रास्ते से होते हुए श्री गोपीनाथजी मंदिर पहुंचेगी।

दोपहर 4 बजे से शोभायात्रा समाप्त होने तक हवामहल बाजार, जौहरी बाजार, बापू बाजार, चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, चांदपोल बाजार और बगरू वालों के रास्ते में पार्किंग प्रतिबंधित रहेगी। शोभायात्रा के आगे बढ़ने के साथ यातायात को चरणबद्ध तरीके से डायवर्ट किया जाएगा।

परकोटा क्षेत्र के साथ गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहे से मिनर्वा, अशोका मार्ग से यादगार और रामनिवास बाग के अंदर हल्के मालवाहक वाहन, ई-रिक्शा, ई-ऑटो और ऑटो रिक्शा का संचालन प्रतिबंधित रहेगा। परकोटे में जेसीटीएसएल सहित अन्य सिटी बसों का प्रवेश भी बंद रहेगा।

एमआई रोड की सिटी बसों को यातायात दबाव बढ़ने पर वैकल्पिक मार्ग से चलाया जाएगा। एम्बुलेंस और अन्य अति आवश्यक सेवाओं के वाहनों का संचालन निर्बाध रहेगा। पुलिस ने आमजन से अनावश्यक वाहन लेकर परकोटे में नहीं आने और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की है।

कांग्रेस चुनाव जीती तो हर निकाय में हर साल होगी सफाईकर्मियों की भर्ती : गोविन्द सिंह डोटासरा

- **कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने चुनाव में देरी, परिसीमन, आरक्षण, सफाई व्यवस्था, नामांकन और जयपुर की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर निशाना साधा**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। निकाय चुनाव की सरगर्मियों के बीच कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शुक्रवार को पीसीसी वॉर रूम में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा सरकार पर चुनाव में देरी, परिसीमन, आरक्षण, सफाई व्यवस्था, नामांकन और जयपुर की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि हाईकोर्ट के आदेश और अवमानना की कार्रवाई के बाद सरकार को चुनाव कराने पड़े। करीब डेढ़ साल तक निकायों में प्रशासक रहने से जनता के काम प्रभावित हुए।

डोटासरा ने परिसीमन पर सवाल उठाते हुए कहा कि कहीं 10 हजार तो कहीं 30 हजार तक की आबादी वाले वार्ड बनाए गए। उन्होंने आरक्षण लॉटरी में भी मनमानी का आरोप लगाया। कहा कि पहली बार नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिकाओं की संयुक्त लॉटरी निकाली गई, जिसके चलते प्रदेश के 10 नगर निगमों में किसी में भी महापौर पद एससी-एसटी के लिए आरक्षित नहीं हुआ। एक पद ओबीसी के लिए आरक्षित हुआ, जबकि एससी-एसटी आरक्षण नगर पालिकाओं तक सीमित रहा।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने टिकट वितरण में 40 वर्ष से कम उम्र के 49.33 प्रतिशत, ओबीसी के 48.85 प्रतिशत, एससी के 21.81 प्रतिशत, एसटी के 5.23 प्रतिशत और महिलाओं के 35.90 प्रतिशत उम्मीदवारों को मौका दिया है।

जयपुर की समस्याओं पर भाजपा को घेरा

डोटासरा ने गड्ढों, ट्रैफिक जाम, कचरे, बंदरों, सुअरों और आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर भाजपा बोर्ड पर निशाना साधा। स्टैच्यू सर्किल जैसे प्रमुख स्थानों पर स्ट्रीट लाइट नहीं जलने का भी आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि 23 हजार से अधिक पदों की घोषणा के बावजूद तीन साल में भर्ती पूरी नहीं हुई। नई भर्ती में शर्तों के कारण अब तक करीब चार हजार आवेदन आने का दावा करते हुए

गोविंद सिंह डोटासरा

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार बनने पर हर निकाय में हर साल सफाईकर्मियों की भर्ती और घर-घर कचरा संग्रहण मुफ्त किया जाएगा।

500 रुपए में पट्टे देने का वादा

डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आई तो 500 रुपए में मकान का पट्टा देने की व्यवस्था जारी रखी जाएगी। नामांतरण शुल्क में राहत बरकरार रखने तथा सीसी रोड, ड्रेनेज, सीवरेज और एसटीपी के लिए अतिरिक्त बजट देने की बात कही।

विकास कार्यों का स्टेटस और शिकायतों का निस्तारण ऑनलाइन करने का भी वादा किया। जयपुर मेट्रो की नई डीपीआर में बदलाव को लेकर उन्होंने अतिरिक्त खर्च और संचालन प्रभावित होने की आशंका जताई तथा भ्रष्टाचार और मनमानी के आरोप लगाए।

नामांकन में सत्ता के दुरुपयोग का आरोप

डोटासरा ने बीकानेर, मालपुरा, नाथद्वारा, पाली और भीलवाड़ा में कांग्रेस व समर्थित निर्दलीय प्रत्याशियों पर दबाव और नामांकन में भेदभाव का दावा किया। आदर्श नगर के वार्ड टिकट विवाद पर उन्होंने कहा कि तथ्य सामने आने पर जांच होगी। टिकट वितरण के मतभेद बातचीत से सुलझाने का दावा करते हुए उन्होंने अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले बागियों पर कार्रवाई के संकेत दिए। डोटासरा ने दावा किया कि कांग्रेस निकाय चुनाव में बड़ी जीत हासिल करेगी।

'कोई मेरा-तेरा नहीं, जिसे पार्टी का सिंबल मिला, वह सबका प्रत्याशी'

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष ने जयपुर के विधायकों से दो टूक बात कही

जयपुर। नगर निगम चुनाव को लेकर भाजपा ने जयपुर में संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को जयपुर शहर भाजपा कार्यालय में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने शहर के विधायकों, विधानसभा प्रत्याशियों और प्रमुख नेताओं के साथ बैठक कर चुनावी तैयारियों का फीडबैक लिया। दिनभर हुई बैठकों के अंतिम चरण में संतोष ने जयपुर नगर निगम क्षेत्र में आने वाली विधानसभा सीटों के राजनीतिक समीकरणों और वार्डवार स्थिति को लेकर नेताओं से जानकारी ली।

बैठक में बीएल संतोष ने टिकट वितरण के बाद सामने आ रही स्थानीय खींचतान के बीच विधायकों और विधानसभा प्रत्याशियों को स्पष्ट संदेश दिया कि कोई भी प्रत्याशी 'मेरा-तेरा' नहीं होता। पार्टी का सिंबल जिस प्रत्याशी को मिल गया, वह पूरे संगठन का प्रत्याशी है। ऐसे में सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को व्यक्तिगत पसंद-

- **बीएल संतोष ने जयपुर शहर के विधायकों, विधानसभा प्रत्याशियों और प्रमुख नेताओं से लिया फीडबैक, वार्डवार राजनीतिक समीकरणों पर किया मंथन**

नापसंद से ऊपर उठकर पार्टी प्रत्याशी को जिताने के लिए काम करना होगा।

संतोष ने जयपुर नगर निगम चुनाव में पार्टी की स्थिति को लेकर विधानसभा क्षेत्रवार चर्चा की। उन्होंने नेताओं से संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में आने वाले वार्डों के राजनीतिक समीकरण, प्रत्याशियों की स्थिति, स्थानीय प्रभाव, संगठन की सक्रियता और चुनावी संभावनाओं की जानकारी ली। साथ ही जिन वार्डों में पार्टी को चुनौती नजर आ रही है, वहां संगठन की स्थिति और जीत के लिए किए जा रहे प्रयासों पर भी फीडबैक लिया।

बैठक में निगम चुनाव में विधानसभा स्तर पर समन्वय और सभी नेताओं को एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतरने पर जोर दिया गया।

संतोष ने संकेत दिया कि निगम चुनाव में संगठन की प्राथमिकता व्यक्तिगत गुटों के बजाय सामूहिक रूप से पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों को मजबूत करना है।

बैठक में जयपुर नगर निगम चुनाव के पर्यवेक्षक एवं प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, विधायक बालमुकुंदाचार्य, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, सांसद मंजू शर्मा, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी सहित जयपुर शहर के अन्य प्रमुख नेता मौजूद रहे।

छात्रवृति के लिए बायोमेट्रिक हाजिरी होगी

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति पोर्टल पर बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। सत्र 2024-25 के विद्यार्थियों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 15 सितम्बर तथा सत्र 2025-26 के विद्यार्थियों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर निर्धारित की गई है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर ग्रामीण के उपनिदेशक गौरव शर्मा ने बताया कि बायोमेट्रिक के कारण जिन विद्यार्थियों के आवेदन शिक्षण संस्थान स्तर पर लंबित हैं, वे निर्धारित तिथि से पूर्व बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करवाएं, ताकि पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिल सके। निर्धारित तिथि के पश्चात बायोमेट्रिक के कारण लंबित आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

जयपुर जिले की 19 पंचायत समितियों में प्रशासक नियुक्त

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट जयपुर संदेश नायक ने राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 95 तथा धारा 101 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जयपुर जिले की 19 पंचायत समितियों में प्रशासक नियुक्त किए हैं। प्रशासकों की नियुक्ति संबंधित पंचायत समिति के नवनिर्वाचन के पश्चात् गठित पंचायत समिति की प्रथम बैठक की तिथि के ठीक पूर्ववर्ती दिन तक प्रभावी रहेगी।

आदेश के अनुसार आमेर पंचायत समिति में उपखण्ड अधिकारी आमेर, आंधी एवं जमवारामगढ़ में उपखण्ड अधिकारी जमवारामगढ़, बस्सी एवं तुंगा में उपखण्ड अधिकारी बस्सी, चाकसू एवं कोटखावदा में उपखण्ड अधिकारी चाकसू, दूदू में उपखण्ड अधिकारी दूदू, गोविंदगढ़ में उपखण्ड अधिकारी चौमूं, जालसू में उपखण्ड अधिकारी रामपुरा डाबड़ी, झोटवाड़ा में उपखण्ड अधिकारी जयपुर, जोबनेर में उपखण्ड अधिकारी जोबनेर, किशनगढ़-रेनवाल में उपखण्ड अधिकारी किशनगढ़-रेनवाल, माधोराजपुरा में उपखण्ड अधिकारी माधोराजपुरा, मौजमाबाद में उपखण्ड अधिकारी मौजमाबाद, फागी में उपखण्ड अधिकारी फागी, सांभरलेक में उपखण्ड अधिकारी सांभरलेक, सांगानेर में उपखण्ड अधिकारी सांगानेर, शाहपुरा में उपखण्ड अधिकारी शाहपुरा, को प्रशासक नियुक्त किया गया है। इन पंचायत समितियों में नियुक्त प्रशासक संबंधित पंचायत समिति के कार्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

जे.सी.बी. की खुदाई में गैस पाइपलाइन टूटने से हड़कंप

जयपुर । झोटवाड़ा थाना इलाके के कमानी मोड चौराहे पर शुक्रवार दोपहर जेसीबी से खुदाई के दौरान टोरंट गैस की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। पाइपलाइन टूटते ही गैस का रिसाव शुरू हो गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना दोपहर करीब साढ़े 12 बजे की है। गैस रिसाव की सूचना मिलते ही पुलिस, सिविल डिफेंस की टीम और संबंधित विभागों की टीमें मौके पर पहुंचीं। एहतियात के तौर पर इलाके की बिजली सप्लाई बंद करवाई गई। किसी भी तरह की अनहोनी की आशंका को देखते हुए आसपास का यातायात डायवर्ट कर दिया गया और लोगों से घटनास्थल से दूर रहने की अपील की गई। पुलिस और प्रशासन ने तत्काल गैस कंपनी को सूचना दी। इसके बाद कंपनी की ओर से गैस की सप्लाई बंद करवाई गई, जिससे रिसाव को नियंत्रित करने की कार्रवाई शुरू की जा सकी।

थानाधिकारी रेजल सिंह ने बताया कि गैस सप्लाई बंद होने के बाद करीब आधे घंटे की मशक्कत में रिसाव को नियंत्रित कर लिया गया। समय रहते गैस सप्लाई बंद कराने और पुलिस-प्रशासन की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया।

रिसाव नियंत्रित होने के बाद पुलिस, प्रशासन और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। घटना के दौरान एहतियात के तौर पर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई।

'जेडीए की सीलिंग कार्रवाई के विरोध में सुप्रीम कोर्ट जाएंगे कोचिंग संस्थान'

जयपुर । गोपालपुरा बाईपास पर संचालित कोचिंग संस्थानों को हटाकर कोचिंग हब में शिफ्ट करने का मुद्दा तूल पकड़ रहा है। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की ओर से कोचिंग संस्थानों के खिलाफ लगातार की जा रही कार्रवाई के विरोध में अब राजस्थान कोचिंग इंस्टीट्यूट एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की तैयारी की है।

एसोसिएशन के मुताबिक जेडीए प्रशासन अब तक करीब 30 कोचिंग संस्थानों, 15 लाइब्रेरी और हॉस्टल को सील कर चुका है। इसके साथ ही अन्य कोचिंग संस्थानों को भी जेडीए द्वारा नोटिस दिए जा रहे हैं। ऐसे में सभी कोचिंग संस्थानों ने सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखने का निर्णय किया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. आरएल पूनिया ने जेडीए की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि कोचिंग संस्थानों से संबंधित जिन बायलॉज के आधार पर कार्रवाई की जा रही है, वे अभी लागू ही नहीं हुए है। उनका कहना है कि संबंधित नियम अभी ड्राफ्ट स्तर पर है, उनकी वेबसाइट और कार्यालय तक तैयार नहीं है। इसके बावजूद इन्हीं प्रस्तावित बायलॉज के आधार पर कोचिंग संस्थानों के भवन सील किए जा रहे है। एसोसिएशन लगातार मांग कर रही है कि सुप्रीम कोर्ट की अगली सुनवाई तक कोचिंग संस्थानों को अपना पक्ष रखने तक कार्रवाई न हो।

इस्कॉन मंदिर में गैस सिलेंडर में आग लगी

जयपुर । जन्माष्टमी के मौके पर शुक्रवार को मुहाना स्थित इस्कॉन मंदिर में गैस सिलेंडर में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। मंदिर परिसर में भट्टी जलाते समय अचानक गैस सिलेंडर ने आग पकड़ ली। देखते ही देखते आग की लपटें वीआईपी पंडाल तक पहुंच गई। हादसे के दौरान मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे, जिससे हड़कंप मच गया।

आग की सूचना मिलते ही मुहाना थाने में तैनात कांस्टेबल कान सिंह ने साहस का परिचय देते हुए आग के बीच पहुंचकर श्रद्धालुओं को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद उन्होंने जलते हुए गैस सिलेंडर को उठाकर परिसर से बाहर फेंक दिया। आसपास कई अन्य गैस सिलेंडर रखे होने के कारण आग के फैलने और बड़े हादसे का खतरा था, लेकिन कांस्टेबल की सूझबूझ से स्थिति बिगड़ने से बच गई।

इधर घटना की सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। पुलिस और

- **पुलिस कांस्टेबल की सूझबूझ से बड़ा हादसा टला**

दमकल कर्मियों की तत्परता से आग को अन्य हिस्सों में फैलने से रोक लिया गया। इससे मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं की जान पर मंडरा रहा बड़ा खतरा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कांस्टेबल कान सिंह ने अपनी जान की परवाह किए बिना आग के बीच जाकर श्रद्धालुओं को बाहर निकाला और जलते सिलेंडर को परिसर से बाहर फेंका। उनकी इस बहादुरी और त्वरित कार्रवाई की मौके पर मौजूद लोगों ने सराहना की।

जन्माष्टमी के अवसर पर मुख्यमंत्री का शुक्रवार शाम इस्कॉन मंदिर आने का कार्यक्रम भी प्रस्तावित बताया गया है। मुख्यमंत्री के दौरे से पहले मंदिर परिसर में आग की घटना के बाद प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हो गई हैं।

डोटासरा मानसिक अवसाद के शिकार, भाजपा और संघ के फोबिया से ग्रस्त : मदन राठौड़

कांग्रेस का विजन त्रि-सूत्रीय फार्मूला- समाज को बांटना, झूठ फैलाना और तुष्टिकरण करना : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को मानसिक अवसाद का शिकार बताया, जिन्हें भाजपा और संघ का फोबिया हो गया है। कांग्रेस की जमीनी स्थिति का आकंलन उनके पास पहुंच गया है, इसलिए वे अनर्गल प्रलाप कर अपनी सामने दिख रही हार की झेप मिटा रहे है। राठौड़ ने कहा कि परिसीमन में बेईमानी कांग्रेस ने पिछले निकाय चुनावों में की थी, जब तुष्टिकरण के आधार पर कोई वार्ड 300 मतदाताओं का बना दिया तो कोई वार्ड 3000 वोटर्स का बना दिया गया, बेईमानी उसे कहते है जो उन्होंने की थी। उन्होंने कहा कि भाजपा का कौन कार्यकर्ता,

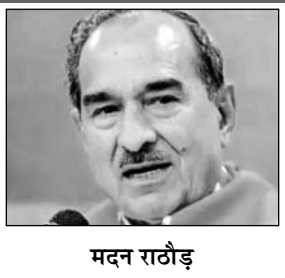

मदन राठौड़

कौन नेता कहां आएगा, कहां बैठेगा और कहां चुनाव का कार्य देखेगा, ये भाजपा का परिवारभाव के साथ तय करने में सक्षम है।

कांग्रेस और उनके नेताओं को ना तो इसमें चिंता करने की जरूरत है और ना ही ज्ञान देने की जरूरत है। अगर चिंता और ज्ञान ज्यादा ही है तो वे पहले अपने घर की चिंता कर लें।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक तरफ दावा करती है कि दलितों और महिलाओं को सम्मान दे रहे है, ये इनके शब्दों के ढकोसले है, बीकानेर में जिस कांग्रेस जिलाध्यक्ष को पिटा गया, वो दलित समाज से आते है और जिन महिला नेत्रियों को कांग्रेस के विधायकों ने मेरे लिए व्यक्तिगत क्या किया, पूछने का साहस हो, वहां महिलाओं का सम्मान किस तरह होता है यह किसी से छिपा हुआ नहीं है।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा महिला सम्मान की बात करते है, उनकी पार्टी से जुड़े हुए परिवार के लोग और विशेष कर, स्वरा भास्कर जैसे लोग राजस्थान की मर्यादा को तार-तार कर देते है, जब वे जौहर जैसे पवित्र बलिदान पर सवाल उठाते है और डोटासरा के मुंह में दही जम जाता है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा झूठ गढ़ने की मशीन से होड करते हुए प्रतीत होते है, जब वे राजस्थान में पिछले ढाई साल में हुए विकास के काम पर सवाल उठाते है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस का विजन जनता को पता है, समाज को बांटना, झूठ फैलाना और तुष्टिकरण करना। ये ही इनका त्रि-सूत्रीय फार्मूला है, जो आज विजन के नाम पर जनता के सामने रखा है, वो ही काम कांग्रेस ने सरकार में रहते हुए क्यों नहीं किए और अब वो जो दावे कर रहे है वो पूरे कैसे करेंगे, ये जनता जानती है कि ये झूठ के पुलींदे के अलावा कुछ नहीं है।

- **स्वरा भास्कर, जब जौहर जैसे पवित्र बलिदान पर सवाल उठाती है, तब डोटासरा के मुंह में दही क्यों जम जाता है?: राठौड़**
- **राठौड़ ने सवाल पूछा कि ''दलित जिलाध्यक्ष की पिटाई और कांग्रेस नेत्रियों से अनुचित मांग पर मौन क्यों है कांग्रेस?''**

राजस्थान के युवाओं को 4 हजार रुपए देगी केन्द्र व राज्य सरकार

राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना 2.0 के तहत 1500 रुपए केन्द्र तथा 2500 रुपए प्रतिमाह राज्य सरकार देगी

जयपुर (कासं)। राजस्थान में युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण और व्यावहारिक कौशल उपलब्ध कराने के लिए अप्रेंटिसशिप को बढ़ावा दिया जा रहा है। राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना 2.0 के तहत पात्र अप्रेंटिस को केंद्र सरकार की ओर से 1500 प्रतिमाह की स्टाइपेंड सहायता प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से दी जा रही है। वहीं राजस्थान सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की बजट घोषणा के तहत राजस्थान अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना में पात्र अप्रेंटिस को 2500 प्रतिमाह अतिरिक्त वित्तीय सहायता दी जायेगी। इस स्कीम का उद्देश्य उद्योगों एवं प्रतिष्ठानों में अप्रेंटिसशिप के अवसर बढ़ाना, युवाओं को रोजगार से जुड़े व्यावहारिक कौशल प्रदान करना और एमएसएमई क्षेत्र में अप्रेंटिसशिप को प्रोत्साहित करना है। योजना के तहत युवाओं को वास्तविक कार्यस्थल पर प्रशिक्षण और अनुभव हासिल करने का अवसर मिलता है।

2025-26 में 32243 अप्रेंटिस जुड़े

जानकारी के मुताबिक राजस्थान में अप्रेंटिसशिप के प्रति युवाओं और प्रतिष्ठानों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। 2021-22 में 12,850 अप्रेंटिस की उपलब्धि रही, जो 2022-23 में 15204 हुई, 2023-24 में 18230 और 2024-25 में बढ़कर 22328 हो गई। वर्ष 2025-26 में 32243 अप्रेंटिस की उपलब्धि दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 44.4 प्रतिशत अधिक है। यह वार्षिक लक्ष्य 24010 के मुकाबले 135 प्रतिशत उपलब्धि है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1 सितंबर 2026 तक 15122 अप्रेंटिस की उपलब्धि दर्ज की गई है, जबकि वार्षिक लक्ष्य 35,594 निर्धारित है। अप्रेंटिसशिप सहभागिता के मामले में वित्तीय वर्ष 2025-26 में राजस्थान उत्तरी भारत के राज्यों में दूसरे स्थान पर रहा।

कौशल दर्पण पोर्टल से होगा भुगतान

राज्य सरकार की 2500 की अतिरिक्त सहायता के भुगतान के लिए सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा कौशल दर्पण पोर्टल पर समर्पित भुगतान मॉड्यूल विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से पात्र अप्रेंटिस को अतिरिक्त सहायता राशि का भुगतान किया जाएगा।

हमने पाकिस्तान के खिलाफ जो भी मैच जीते हैं, चाहे वह एशिया कप हो या कोई और मैच, हम हमेशा उनसे एक कदम आगे रहे हैं। ''पूरी टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है। - दीप्ति शर्मा

भारतीय महिला क्रिकेटर, भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

पीटर सिडल

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पीटर सिडल आगामी 2026-27 सत्र में न्यू साउथ वेल्स के गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं, जोहान बोथा टीम के साथ स्पिन सलाहकार के रूप में काम करेंगे। यह बदलाव ब्रैड हैडिन के मुख्य कोच के रूप में पहले सत्र से पहले हुआ है। 41 वर्षीय सिडल बिग बैश लीग में मेलबर्न स्टार्स की टीम का हिस्सा बने रहेंगे, लेकिन शेफील्ड शील्ड के सभी मुकाबलों में न्यू साउथ वेल्स के साथ काम करेंगे। वह हैडिन के कोचिंग स्टाफ में पीटर फॉरेस्ट और डेनियल स्मिथ के साथ जुड़ेंगे।

क्या आप जानते हैं ?... पहला स्वर्ण पदक विजेता: साल 1951 के खेलों में तैराक सचिन नाग ने पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में स्वतंत्र भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता था।

भारत-जापान के बीच ऐतिहासिक टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबला 22 को

नई दिल्ली, 4 सितंबर। भारत और जापान की क्रिकेट टीमों के बीच 22 सितंबर को जापान के तोचिगी प्रांत के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में ऐतिहासिक टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला जाएगा। यह मुकाबला भारत-जापान राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के जश्न की शुरुआत करेगा। मुकाबले को 'सुजुकी कप' नाम दिया गया है।

बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने शुक्रवार को कहा, बीसीसीआई इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बनकर बेहद खुश है, जब भारतीय और जापानी पुरुष टीमें जापान में एक विशेष टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के लिए आमने-सामने होंगी। यह क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, क्योंकि भारतीय टीम एक नए क्षेत्र में जा रही है और इससे जापान तथा पूर्वी एशिया में बड़े दर्शक वर्ग तक इस खेल को पहुंचाने का अवसर मिलेगा।'' उन्होंने कहा, ''भारत और

जापान के बीच मजबूत और लंबे समय से चले आ रहे संबंध और मित्रता हैं। हमें खुशी है कि दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर होने वाले समारोहों में क्रिकेट भी हिस्सा बनेगा। इस मुकाबले को संभव बनाने के लिए हम जापान क्रिकेट संघ के प्रयासों के लिए उसका धन्यवाद करते हैं।''

उन्होंने आगे कहा, ''बीसीसीआई का मानना है कि क्रिकेट का विकास उसके पारंपरिक क्षेत्रों से आगे तक होना चाहिए और दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बोर्ड के रूप में हम इस विकास में योगदान देने की अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। बीसीसीआई आने वाले वर्षों में जापान में क्रिकेट को और मजबूत करने तथा इस संबंध को आगे बढ़ाने के लिए जापान क्रिकेट संघ के साथ मिलकर काम करेगा।

जापान क्रिकेट संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नाओकी मियाजी ने कहा, विश्व चैंपियन टीम को जापान में क्रिकेट के घर कहे जाने वाले मैदान पर आमंत्रित कर पाना हमारे संघ के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। इस लक्ष्य की दिशा में हमारे साथ काम करने के लिए हम बीसीसीआई का धन्यवाद करते हैं और भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के उत्साह का स्वागत करने के लिए बेहद उत्सुक हैं।''

बीसीसीआई की बैठक में क्यों शामिल नहीं हुए अगरकर?

अनुबंध को लेकर नहीं हुई चर्चा, अनुपस्थिति ने बढ़ाई अटकलें

नई दिल्ली, 4 सितंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने गुरुवार को मुंबई में समीक्षा बैठक बुलाई थी। इस महत्वपूर्ण बैठक में वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल, टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर, मुख्य कोच गौतम गंभीर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के क्रिकेट निदेशक वीवीएस लक्ष्मण सहित शीर्ष बीसीसीआई अधिकारी शामिल हुए थे। लेकिन मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर इस बैठक में शामिल नहीं थे जिसके लेकर अटकलों का बाजार गर्म हो गया है।

किसे लेकर बुलाई गई थी बैठक?

भारत को आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में 0-2 से चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद इंग्लैंड के दौरे पर उसे पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-4 से हार झेलनी पड़ी और वनडे सीरीज भी 1-2 से गंवानी पड़ी। इसकी समीक्षा को लेकर बीसीसीआई ने बैठक बुलाई थी। लेकिन अगरकर के इसमें

शामिल नहीं होने को लेकर तरह-तरह की बातें की जा रही हैं। मालूम हो कि चयनकर्ता के तौर पर अगरकर का कार्यकाल खत्म होने वाला है। चूंकि अगरकर ने बीसीसीआई की बैठक में हिस्सा नहीं लिया इस कारण उनके अनुबंध विस्तार को लेकर चर्चा नहीं हो सकी।

सैकिया ने अगरकर के नहीं जुड़ने का कारण बताया

बीसीसीआई मुख्यालय में बोर्ड द्वारा बुलाई गई इस समीक्षा बैठक के बारे में बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि इसे काफी कम समय के नोटिस पर बुलाया गया था। सैकिया के अनुसार, आगरकर शहर से बाहर थे और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भी इस बैठक में नहीं जुड़ सके। सैकिया ने बताया कि शहर से बाहर होने के कारण अगरकर इस बैठक का हिस्सा नहीं बन सके क्योंकि यह बैठक बहुत कम समय के नोटिस पर बुलाई गई थी। उन्होंने कहा, हमारे चयन समिति के प्रमुख अजीत शहर में नहीं थे इसलिए वह इसमें शामिल नहीं हो पाए। वह ऐसी जगह पर थे कि हमारी पूरी कोशिशों के बावजूद ऑनलाइन भी नहीं जुड़ सके।

चरिथ असलंका संभालेंगे श्रीलंका की कप्तानी

कोलंबो, 4 सितंबर। श्रीलंका के कप्तान कुसल मेंडिस हैमस्ट्रिंग चोट से समय पर नहीं उबर पाने के कारण इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में चरिथ असलंका श्रीलंकाई टीम की कप्तानी करेंगे। कुसल मेंडिस को जुलाई में लंका प्रीमियर लीग में कोलंबो किंग्स की ओर से खेलते हुए दो मुकाबलों के बाद हैमस्ट्रिंग चोट लगी थी। इसी चोट के कारण वह भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेली गई दो टेस्ट मैचों की सीरीज से भी बाहर रहे थे। असलंका को शुरुआत में टीम का उपकप्तान बनाया गया था, लेकिन अब उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी दी गई है। यह सीरीज टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी वापसी भी होगी।

बीसीसीआई ने उम्र में हेरफेर पर बंगाल के लेग स्पिनर रोहित पर लगाया 2 साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली, 4 सितंबर। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने उम्र को लेकर कथित गलत जानकारी देने के मामले में बंगाल के लेग स्पिनर रोहित यादव पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया है। खास बात यह है कि कुछ सप्ताह पहले ही उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी शृंखला के लिए भारत की अंडर-19 टीम में चुना गया था। उत्तर प्रदेश के रहने वाले रोहित ने जुलाई में भारत की अंडर-19 टीम के साथ श्रीलंका का दौरा किया था। उन्होंने वहां छह विकेट लिए थे और टीम को अंतिम टेस्ट जीतने में अहम योगदान दिया था। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, उन पर दो साल का प्रतिबंध लगाया गया है। रोहित को इस महीने के अंत में राजकोट और अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम के खिलाफ होने वाले भारत के घरेलू वनडे और बहुदिवसीय मुकाबलों के लिए भी टीम में शामिल किया गया था। श्रीलंका दौरे के दौरान दस्तावेजों की जांच में उनकी उम्र को लेकर विसंगतियां सामने आईं। रोहित के पास जन्म के तीन अलग-अलग प्रमाणपत्र मिले, जिनमें जन्म वर्ष 2007, 2009 और 2010 दर्ज है।

मंधाना का तूफानी शतक, हांगकांग को 147 रन से रौंदकर भारत सेमीफाइनल में

दुबई, 3 सितंबर। स्मृति मंधाना की रिकॉर्डतोड़ शतकीय पारी और भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने महिला एशिया कप 2026 में हांगकांग को 137 रन से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 193 रन बनाए। मंधाना ने महज 64 गेंदों पर 14 चौकों और सात छक्कों की मदद से 124 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनके अलावा शेफाली वर्मा ने 17 गेंदों पर 28 रन बनाए। प्रतिका रावल ने 10, ऋचा घोष ने 11 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 10 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी हांगकांग की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 16.2 ओवर में सिर्फ 56 रन पर ऑलआउट हो गई।

मंधाना ने रचा इतिहास - स्मृति मंधाना की 124 रन की पारी सिर्फ मैच जिताऊ नहीं रही, बल्कि रिकॉर्डों से भी भरपूर रही। यह उनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 18वां शतक था, जिसके साथ उन्होंने मेग लैनिंग (17 शतक) को पीछे छोड़कर महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इसके अलावा मंधाना ने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज को पीछे छोड़ते हुए महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बनने का भी गौरव हासिल किया।

पाकिस्तान को धूल चटाने उतरेगा भारत

महिला एशिया कप में होगी दोनों टीमों की भिड़ंत, प्लेइंग-11 में होगा बदलाव

नई दिल्ली, 4 सितंबर। भारतीय महिला टीम का एशिया कप में सामना अब चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। दोनों टीमों के बीच ग्रुप चरण का यह मुकाबला शनिवार को दुबई में खेला जाएगा। भारतीय महिला अपने शुरुआती दोनों मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है और वह बस अब औपचारिकता के लिए मैदान पर उतरेगी। पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय महिला टीम का रिकॉर्ड एकतरफा है। लेकिन जब भी दोनों टीमें एक दूसरे का सामना करती हैं तो वो मैच बेहद रोमांचक होता है।

हार से सेमीफाइनल की दौड़ में पिछड़ सकता है पाकिस्तान

इसमें कोई दोराय नहीं है कि भारतीय टीम इस मैच में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। भारत ने पहले दो मैचों में भले ही

शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन उसमें कुछ जगह सुधार की भी जरूरत है। एशियाई स्तर पर हालांकि भारत के आसपास भी कोई टीम नजर नहीं आती। पिछली बार भारत किसी तरह श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में उपविजेता रहा था। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने अपने शुरुआती मुकाबले में थाईलैंड को हराया है और अब भी सेमीफाइनल की दौड़ में बना हुआ है।

शानदार फॉर्म में हैं भारतीय बल्लेबाज

भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा भी शानदार फॉर्म में हैं। मंधाना ने हांगकांग के खिलाफ यादगार शतक लगाते हुए कई रिकॉर्ड अपने नाम किए और प्रतियोगिता की अन्य टीमों को अपनी बल्लेबाजी क्षमता का संकेत दे दिया।

दुबई की पिचों पर बल्लेबाजी आसान नहीं रही है। बल्लेबाजों को आमतौर पर पिच की गति और उछाल को समझने में करीब 10 गेंद लगती हैं और उसी के अनुसार पारी की योजना बनानी पड़ती है।मंधाना और शेफाली ने भी बृहस्पतिवार रात इसी रणनीति को अपनाया था। मध्यक्रम में प्रतिका रावल, ऋचा घोष और कप्तान हरमनप्रीत कौर की भूमिका अहम होगी। तीनों अच्छी शुरुआत को बड़ी पारियों में तब्दील नहीं कर सकी हैं।

एशियाई खेलों से पहले निशानेबाजों के लिए अंतिम तैयारी शिविर भोपाल और नई दिल्ली में लगेंगे

नई दिल्ली, 4 सितंबर। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने आगामी एशियाई खेलों से पहले भारतीय निशानेबाजों के अंतिम तैयारी शिविरों के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इन शिविरों का उद्देश्य खिलाड़ियों की तकनीक को अंतिम रूप देना, मानसिक तैयारी को मजबूत करना और उन्हें प्रतियोगिता के लिए पूरी तरह तैयार करना है। एशियाई खेलों में निशानेबाजी की स्पर्धाएं 17 सितंबर से 3 अक्टूबर तक जापान के आइची प्रीफेक्चुरल जनरल शूटिंग रेंज में आयोजित होंगी।

तैयारी शिविर देश के दो प्रमुख निशानेबाजी केंद्रों-भोपाल में मध्य प्रदेश राज्य निशानेबाजी अकादमी और नई दिल्ली की डॉ. कर्णी सिंह निशानेबाजी रेंज में आयोजित किए जाएंगे। खिलाड़ियों की स्पर्धाओं के अनुसार उन्हें संबंधित केंद्रों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

20th Asian Games Aichi-Nagoya 2026

राइफल और पिस्टल वर्ग के खिलाड़ियों का शिविर 5 से 14 सितंबर तक भोपाल में होगा। शॉटगन की स्कीट स्पर्धा का शिविर 4 से 14 सितंबर और ट्रैप स्पर्धा का शिविर 10 से 18 सितंबर तक नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ के अध्यक्ष कालिकेश नारायण सिंह देव ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 2026 के एशियाई खेल हमारे निशानेबाजों के लिए महाद्वीपीय स्तर पर अपनी असाधारण प्रतिभा दिखाने का एक बड़ा अवसर हैं। ये तैयारी शिविर पदक जीतने की हमारी यात्रा में महत्वपूर्ण कदम हैं। संघ के महासचिव पवन कुमार सिंह ने कहा, भोपाल और नई दिल्ली में एक साथ इन शिविरों का आयोजन यह सुनिश्चित करता है कि हमारे खिलाड़ी अपनी-अपनी स्पर्धाओं के लिए उपयुक्त माहौल में प्रशिक्षण ले सकें।

चाइना मास्टर्स : श्रीकांत क्वार्टर फाइनल में हारे

ली चियुक यिउ ने सीधे गेमों में दी मात

शेनझेन, 4 सितंबर। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का चाइना मास्टर्स 2026 में सफर क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। श्रीकांत को शुक्रवार को शेनझेन एरेना में हांगकांग के ली चियुक यिउ के खिलाफ 16-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने पहले गेम की शुरुआत लगातार दो अंक हासिल करके की, लेकिन ली चियुक यिउ ने जल्द ही वापसी करते हुए मुकाबले पर नियंत्रण बना लिया। हांगकांग के खिलाड़ी ने अपनी बढ़त कायम रखी और भारतीय खिलाड़ी की देर से की गई वापसी की कोशिशों के बावजूद पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी ली चियुक यिउ ने बेहतर नियंत्रण बनाए रखा और 21-16 से जीत दर्ज कर मुकाबला सीधे गेमों में अपने नाम कर लिया। इस हार के साथ ली चियुक यिउ के खिलाफ श्रीकांत का खराब रिकॉर्ड और बढ़ गया। भारतीय खिलाड़ी को हांगकांग के इस शटलर के खिलाफ लगातार चौथी हार मिली है।

चाइना मास्टर्स: एन से यंग और अकाने यामागुची सेमीफाइनल में, खिताब की दौड़ हुई रोमांचक : दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की एन से यंग ने शुक्रवार को हमवतन किम गा युन को सीधे गेमों में हराकर चाइना मास्टर्स 2026 के महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली। वहीं, दुनिया की नंबर तीन जापान की अकाने यामागुची ने थाईलैंड की सुपानिदा कातेथोंग को मात देकर अंतिम चार में प्रवेश किया।

ऑल इंडिया कैरम फैडरेशन की अपील स्वीकार

नई दिल्ली, 4 सितंबर। दिल्ली उच्च न्यायालय की दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने खेल महासंघों की स्वायत्तता और प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर एक महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए ऑल इंडिया कैरम फेडरेशन (एआईसीएफ) की अपील को स्वीकार कर लिया है। पीठ ने एकल पीठ द्वारा 29 अक्टूबर 2025 को दिए गए उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसके तहत एआईसीएफ को अपने नाम, लोगो और प्रतियोगिताओं से इंडिया या इंडियन शब्द हटाने तथा खुद को सरकारी मान्यता प्राप्त भारतीय टीम के रूप में प्रस्तुत न करने का निर्देश दिया गया था।

मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने स्पष्ट किया कि खेल संहिता (भारत का राष्ट्रीय खेल विकास कोड, 2011) के एनेक्सचर- के तहत किसी भी राष्ट्रीय खेल महासंघ की मान्यता को निलंबित या वापस लेने के लिए एक तय कानूनी प्रक्रिया का पालन करना अनिवार्य है। अदालत ने कहा कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुसार, महासंघ को बिना कारण बताओ नोटिस और सुनवाई का अवसर दिए बिना वार्षिक मान्यता का नवीनीकरण न होने मात्र से उसकी मान्यता को स्वत: समाप्त नहीं माना जा सकता। यह कानूनी विवाद वर्ष 2023 में आयोजित एआईसीएफ के चुनावों के बाद शुरू हुआ था।

खेल मंत्रालय (यूओआई) ने वन स्टेट वन यूनिट नियम के कथित उल्लंघन (महाराष्ट्र की दो संस्थाओं की भागीदारी) का हवाला देते हुए एआईसीएफ के चुनाव और उसकी मान्यता के नवीनीकरण पर रोक लगा दी थी। इस आधार पर एकल पीठ ने एआईसीएफ को अपने नाम से इंडिया शब्द हटाने के निर्देश जारी किए थे। डिवीजन बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि खेल मंत्रालय द्वारा 07 दिसंबर 2020 को भेजा गया पत्र केवल आपत्तियों का एक रिकॉर्ड था, न कि मान्यता वापस लेने का अंतिम आदेश। इसलिए, बिना किसी प्रक्रिया के एआईसीएफ को निष्कासित या अमान्य मानना कानूनन सही नहीं था।

इसके साथ ही, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि हालांकि एकल पीठ का पिछला आदेश रद्द कर दिया गया है, लेकिन इस बीच खेल मंत्रालय द्वारा 10 जुलाई 2026 को जारी नए आदेश (जिसमें 2023 के चुनावों को खारिज किया गया है) की वैधता की जांच लंबित याचिका डब्ल्यू.पी. (सी)10610/2026 में स्वतंत्र रूप से की जाएगी। इसके अतिरिक्त, कोर्ट ने उल्लेख किया कि एआईसीएफ को भविष्य में राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम, 2025 (एनएसजी एक्ट) और इसके नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा।

आरसीए सवाई माधोपुर जिला (अंडर-16 ट्रॉफी) टीम की अधिकृत ओपन चयन ट्रायल 7 को

जयपुर, 4 सितंबर। आरसीए के तत्वाधान में आयोजित होने वाली आगामी राज्य स्तरीय अंडर 16 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सवाई माधोपुर जिला क्रिकेट संघ अंडर 16 टीम के चयन हेतु आरसीए द्वारा अधिकृत ओपन चयन ट्रायल आगामी 7 सितम्बर को प्रात: 10 बजे जयपुरिया क्रिकेट ग्राउंड , जयपुर पर आयोजन किया जायेगा। आरसीए द्वारा सवाई माधोपुर जिला अंडर 16 टीम की अधिकृत ओपन चयन ट्रायल के लिए अमर सिंह नेगी व अंकित लांबा को चयनकर्ता नियुक्त किया गया है। चयन ट्रायल में भाग लेने हेतु खिलाडी का जन्म दिनांक 1 सितम्बर 2010 से 31- 8 - 2012 के मध्य होना आवश्यक व खिलाडियों को निम्नलिखित मूल दस्तावेज साथ लाना आवश्यक है :- कंप्यूटर द्वारा जनरेट किया गया जन्म प्रमाण पत्र (अनिवार्य), वास्तविक पहचान प्रमाण पत्र (अनिवार्य), पिछले तीन वर्षों के स्कूल/कॉलेज की मार्कशीट, आधार कार्ड/वोटर आईडी/ ड्राइविंग लाइसेंस/पासपोर्ट/पैन कार्ड।

यति क्रिकेट एकेडमी 7 विकेट से विजेता

जयपुर, 4 सितम्बर। यति क्रिकेट अकादमी द्वारा आयोजित प्रथम अंडर -14 श्याम कप में खेले गये मैच मे यति क्रिकेट एकेडमी और अरावली नेक्सटजेन के मध्य खेले गये मैच में टॉस जीत कर अरावली नेक्सटजेन ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला

लिया । अरावली नेक्सटजेन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 107/10 28.1 ओवर में ऑल आउट हो गई । अरावली नेक्सटजेन की ओर से सूर्याशं ने 29 रन, दिपेश कुशवाहा ने 20 रन बनाये। यति क्रिकेट एकेडमी और से गेदबाजी करते हुए कविश अग्रवाल ने 19 रन देकर 4 विकेट, और राजवीर सिंह ने 15 रन देकर के 3 विकेट लिया। यति क्रिकेट एकेडमी ने बल्लेबाजी करते हुए 111/3 18.4 ओवर मे रन बनाये। यति क्रिकेट एकेडमी कि ओर से दक्ष जैन ने 46 रन ओर कान्हा श्रीवास्तव 18 रन बनाये। अरावली नेक्सटजेन ने गेदबाजी करते हुए वंश प्रताप ने 13 रन देकर के 1 विकेट, प्रशान्त परमार ने 29 रन देकर के 1 विकेट और देव ने 13 रन देकर के 1 विकेट लिया। यति क्रिकेट एकेडमी 7 विकेट से विजेता हुई।

दलीप ट्रॉफी : फाइनल में साउथ जोन के लिए खेलेंगे पडिक्कल और सिराज, ईस्ट जोन से छह से मुकाबला

नई दिल्ली, 4 सितंबर। भारत के स्टार बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले मे साउथ जोन की तरफ से खेलेंगे। खिताबी मुकाबले में साउथ जोन की भिड़ंत ईस्ट जोन से छह सितंबर से होनी है। ये दोनों खिलाड़ी हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेले थे, जिसे भारत ने 1-0 से अपने नाम किया था। इस सीरीज में पडिक्कल का प्रदर्शन दमदार रहा था और उन्होंने 2 टेस्ट मैचों में 328 रन बनाए थे। पडिक्कल के बल्ले से दोनों ही मुकाबलों में शतकीय पारी निकली थी और वह प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे।

किसकी जगह किए गए शामिल

सिराज का प्रदर्शन भी श्रीलंका के खिलाफ बढ़िया रहा था और उन्होंने कुल चार विकेट अपने नाम किए थे। हालांकि, इन दोनों को फाइनल के लिए टीम में शामिल किया गया है, लेकिन यह साफ नहीं है कि इन्होंने टीम में किसकी जगह ली है। ईएसपीएन

क्रिकइंफो के अनुसार, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन और तिलक वर्मा नियमित रूप से भारत की टी20 टीम का हिस्सा हैं।

10 सितंबर को खत्म होगा फाइनल

इसके बावजूद, उनके दलीप ट्रॉफी का फाइनल खेलने की संभावना है। पडिक्कल और सिराज को फाइनल मुकाबले के लिए साउथ जोन के स्क्वॉड में शामिल किया गया है। हालांकि, यह मैच 10 सितंबर को खत्म होगा, जबकि भारत की अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज सिर्फ तीन दिन बाद शुरू होनी है। फिर भी उम्मीद की जा रही है कि ये खिलाड़ी फाइनल में खेल सकते हैं।

इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में हारी अश्मिता चालिहा, शू वेन जिंग ने दी मात

पोंटियानक, 4 सितंबर। भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर 38 अश्मिता चालिहा को इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 100 के क्वार्टर फाइनल में चीन की विश्व नंबर 81 शू वेन जिंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। शू वेन जिंग ने शुक्रवार को चालिहा को 21-10, 21-18 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले गेम में दोनों खिलाड़ी शुरुआती चरण में 3-3 और 5-5 से बराबरी पर थीं। इसके बाद शू वेन जिंग ने लगातार अंक जुटाते हुए 8-5 की बढ़त बना ली। मध्यांतर तक चीनी खिलाड़ी 11-7 से आगे थीं और ब्रेक के बाद उन्होंने अपनी बढ़त को लगातार मजबूत किया। शू वेन जिंग ने 17-9 और फिर 20-9 की बढ़त हासिल कर पहला गेम 21-10 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी शू वेन जिंग ने तेज शुरुआत करते हुए 1-1 से आगे निकलकर 6-1 की बढ़त बना ली। चालिहा ने वापसी की कोशिश करते हुए स्कोर 6-3 किया।

दिशा क्रिकेट अकादमी ने जीता अंडर-12 चैम्पियंस कप का खिताब

जयपुर, 4 सितम्बर। अंडर-12 चैंपियंस कप के फाइनल मुकाबला में शिवा क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 36.5 ओवर में 188 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं! हर्षित अग्रवाल ने 46 और आरव शर्मा ने 36 रनों का योगदान दिया! दिशा क्रिकेट अकादमी की ओर से वासु ने 3 और राघव यादव ने 2 विकेट लिए! लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिशा क्रिकेट अकादमी ने 30.1 ओवर में 190 रन 4 विकेट के नुकसान पर बना कर जीत हासिल कर ली! हर्षित सैनी ने 98 और अनभव सिंह ने 31 रनों का योगदान दिया।

अलेक्जेंडर ने क्वेंटिन हेली को पांच सेटों में हराया

न्यूयॉर्क, 4 सितंबर। शीर्ष वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को यूएस ओपन के दूसरे दौर में फ्रांस के क्वेंटिन हेली ने कड़ी चुनौती दी। ज्वेरेव ने गुरुवार देर रात (भारतीय समयानुसार शुक्रवार तड़के) तक चले मुकाबले में विश्व नंबर 52 हेली को पांच सेटों में 6-4, 4-6, 7-6 (7-3), 6-7 (3-7), 6-3 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। 29 वर्षीय ज्वेरेव अपने शुरुआती दो मुकाबलों में अब तक करीब 10 घंटे कोर्ट पर बिता चुके हैं। तीसरे दौर में उनका सामना चिली के अलेजांद्रो ताबिलो से होगा।

राजस्थान की टीमें उपविजेता : दिल्ली और हरियाणा ने जीते खिताब

भीलवाड़ा, 4 सितम्बर। मेजबान राजस्थान की टीमों को नॉर्थ जोन बैडमिंटन चैम्पियनषिप में उपविजेता रहकर ही संतोष करना पड़ा। महिलाओं के फाइनल में हरियाणा ने राजस्थान को 3-2 से, लड़कियों के अंडर-19 में दिल्ली ने राजस्थान को 2-1 से हराकर मेजबान की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। दिल्ली पुरूषो में हरियाणा को 3-1 से हराकर चैम्पियन बनी। महिलाओं के फाइनल में पारूल चौधरी ने जिया रावत को 15-10, 15-12 से हराकर राजस्थान को शानदार शुरूआत दिलाई। स्नेहा लांबा ने मेधावी नागर को 15-9, 12-15, 15-11 से षिकस्त देकर राजस्थान की बढ़त को 2-0 कर दिया। एक समय लग रहा था कि राजस्थान की महिलाये एक मैच और जीतकर ऐतिहासिक सफलता हासिल कर

लेगी। लेकिन बाद में राजस्थान ने दोनो युगल व एकल मुकाबले गंवा दिए। हरियाणा की बरूनी पार्ष्ववाल और जिया रावत ने पारूल चौधरी और काव्या स्वामी को 15-4, 15-12 से, गरिमा कुन्डू ने आनंदिता तामरा को 9-15, 15-13, 15-9 से और तनु मलिक और षिवानी संतोष सिंह ने शेरिल चौधरी और स्नेहा लांबा को 15-9, 15-12 से हराकर राजस्थान की चुनौती को समाप्त कर दिया। पुरूषो के फाइनल में दिल्ली ने हरियाणा को 3-1 से करारी षिकस्त दी। मानव चौधरी ने देवांषु चौधरी को 15-11, 15-11 से हराया जबकि वंष देव ने मनराज सिंह को 19-17, 15-10 से हराकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। युगल में हरियाणा के देववृत और सौरभ ने परम चौधरी और दिव्यांष रावत को 13-15, 15-7, 15-12 से, भारत राघव ने ढिंगरा मधुर को 15-6, 8-10, 15-10 से हराकर दिल्ली की खिताबी जीत तय कर दी। अंडर-19 लड़कियों के फाइनल में दिल्ली ने राजस्थान को 2-1 से षिकस्त दी। राजस्थान की पारूल चौधरी ने रिषिका नंदी को 15-10, 15-10 से हराकर अच्छी शुरूआत दी लेकिन बाद में रिषिका नंदी और इषिता नेगी की जोड़ी ने पारूल चौधरी और काव्या स्वामी को 18-16, 15-11 से और इषिता नेगी ने स्नेहा लांबा 15-10, 15-7 से हराकर राजस्थान की खिताबी जीत का सपना तोड़ दिया। लड़को के फाइनल में हरियाणा ने पंजाब को 2-1 से हराया। आयोजन सचिव अभिषेक शर्मा ने बताया कि शनिवार की सुबह 9 बजे से व्यक्तिगत मुकाबले खेले जाऐंगे। शुक्रवार की शाम को हुए पुरूष्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथी आयोजन समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष निषांत मेवाड़ा और नारकोटिक्स विभाग के सुषील वर्मा ने पुरूष्कार वितरण किया। इस मौके पर भारतीय बैडमिंटन संघ के संयुक्त सचिव और राजस्थान बैडमिंटन संघ के सचिव के.के. शर्मा, पूर्व पार्षद दारा सिंह राजपूत, हीरालाल, भूपेन्द्र सिंह पंवार व रितेष क्षोत्रिय भी मौजूद थे। देर रात तक व्यक्तिगत मुकाबले जारी रहे।

मुख्यमंत्री का भीलवाड़ा-उदयपुर में रोड शो, मदन राठौड़ अजमेर, नागौर जाएंगे

भाजपा ने नगर निकाय चुनावों के प्रचार में वरिष्ठ नेताओं को उतारा

■ **भाजपा की रणनीति है कि पार्टी पदाधिकारी और वरिष्ठ नेता स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ मैदान में उतर कर पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल तैयार करें।**

जयपुर, 4 सितम्बर। राजस्थान में नगर निकाय चुनाव प्रचार अब पूरी तरह जोर पकड़ चुका है। भाजपा ने अपने वरिष्ठ नेताओं को चुनावी मैदान में उतारते हुए, शनिवार, 5 सितंबर के लिये व्यापक प्रचार अभियान की रणनीति बनाई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ अजमेर और नागौर के प्रवास पर रहेंगे, जबकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भीलवाड़ा और उदयपुर में रोड शो कर पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में माहौल बनाएंगे। मुख्यमंत्री दोनों शहरों में रोड शो के साथ संगठनात्मक बैठकों में भी चुनावी तैयारियों का फीडबैक लेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ शनिवार को अजमेर और नागौर में चुनाव प्रचार अभियान में शामिल होंगे। उनके प्रवास के दौरान, पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में जनसंपर्क और चुनावी गतिविधियों को गति देने के साथ ही, स्थानीय संगठन के नेताओं और कार्यकर्ताओं से भी संवाद किया जाएगा।

भाजपा की कोशिश है कि प्रदेश पदाधिकारी और वरिष्ठ नेता स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ मैदान में उतरकर पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल तैयार करें। टिकट वितरण के बाद जहां कहीं नाराजगी या बगावत की स्थिति बनी है, वहां भी नेताओं के प्रवास को संगठनात्मक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार सुबह जयपुर से रवाना होकर करीब 11.50 बजे भीलवाड़ा पहुंचेंगे। दोपहर 12 बजे से उनका रोड शो शुरू होगा। रोड शो दूधाधारी गोपाल मंदिर परिसर से शुरू होकर निर्धारित मार्ग पर चलेगा।

इसके बाद, दोपहर 1 से 2 बजे तक मुख्यमंत्री भाजपा जिला कार्यालय, भीलवाड़ा में संगठनात्मक बैठक में शामिल होंगे। यहां स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारियों, संगठन की स्थिति और चुनावी रणनीति को लेकर नेताओं से फीडबैक लिया जाएगा।

बैठक के बाद, मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से उदयपुर के लिए रवाना होंगे। करीब 2.40 बजे उदयपुर पहुंचने के बाद शाम चार बजे उनका रोड शो प्रस्तावित है।

उदयपुर में मुख्यमंत्री का रोड शो शाम 4 बजे सूरजपोल चौराहे पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रतिमा स्थल से शुरू होगा। करीब एक घंटे तक चलने वाले रोड शो में मुख्यमंत्री पार्टी प्रत्याशियों के लिए समर्थन मांगेंगे।

रोड शो के बाद शाम 5 से 6 बजे तक मुख्यमंत्री संगठनात्मक बैठक में शामिल होंगे।

एयर इंडिया का फुकेत -दिल्ली उड़ान का मुख्य पायलट बर्खास्त

मुंबई, 04 सितंबर। टाटा की अगुवाई वाली एयरलाइन एयर इंडिया ने शुक्रवार को फुकेत-दिल्ली फ़्लाइट के पायलट-इन-कमांड की सेवाएं समाप्त कर दीं है, जो ड्रग्स के इस्तेमाल के टैस्ट में पॉजिटिव पाए गए थे। एयर इंडिया ने आज एक बयान में बताया कि जांच में मादक पदार्थ सेवन की पुष्टि होने पर फुकेत-दिल्ली उड़ान के मुख्य पायलट की सेवा समाप्त कर दी गई। विमानन कंपनी की ओर से यह घोषणा फुकेत फ़्लाइट की घटना की जांच करने वाली एजेंसी विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की शुरुआती रिपोर्ट आने के कुछ घंटों बाद की गई है। एएआईबी की इस रिपोर्ट में कहा गया कि पायलट द्वारा मादक पदार्थ का सेवन एक गंभीर चिंता का विषय है और उसने विमान नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से उचित कार्रवाई करने को कहा था।

बीएल संतोष ने दिन भर की बैठकों में चुनावी तैयारियों का फीडबैक लिया

उन्होंने कहा, कमज़ोर नज़र आ रहे प्रत्याशी के साथ खड़ा होकर संगठन उसे मजबूत बनाएं

■ **राष्ट्रीय संगठन महामंत्री की बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, चुनावी प्रभारी, प्रदेश प्रभारी और संगठन महामंत्री अजेय कुमार सहित प्रदेश पदाधिकारियों ने भाग लिया।**

जयपुर, 4 सितम्बर। राजस्थान के नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा ने अब चुनावी अभियान को निर्णायक मोड़ पर पहुंचाने की तैयारी शुरू कर दी है। शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने दिनभर चली विभिन्न संगठनात्मक बैठकों में चुनावी तैयारियों का फीडबैक लिया और नेताओं-कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र दिया। बैठक में, पार्टी प्रत्याशियों की स्थिति, बूथ प्रबंधन, स्थानीय समीकरण, वरिष्ठ नेताओं की सक्रियता, बागियों और नाराज कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय के साथ-साथ, मीडिया, सोशल मीडिया और आईटी की भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

बैठकों में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री एवं निकाय चुनाव प्रभारी हरीश द्विवेदी, प्रदेश प्रभारी डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल, सह प्रभारी गजेन्द्र पटेल, रोहन गुप्ता और संगीता यादव तथा संगठन महामंत्री अजेय कुमार सहित, पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में, कुछ वार्डों में भाजपा प्रत्याशियों की स्थिति को लेकर फीडबैक सामने आया। ऐसे वार्डों पर भी चर्चा हुई, जहां मुकाबला कांग्रेस और निर्दलीय उम्मीदवार के बीच दिखाई दे रहा है। राजनीतिक तौर पर ऐसे स्थानों पर चुनाव के बाद बोर्ड गठन के संभावित समीकरणों को देखते हुए निर्दलीय प्रत्याशियों से संपर्क की चर्चा भी उठी।

लेकिन संतोष ने चुनाव के दौरान इस तरह के विकल्प तलाशने के बजाय, अधिकृत प्रत्याशी को जिताने पर पूरा जोर देने का संदेश दिया। उनका स्पष्ट संकेत था कि प्रत्याशी कमजोर नजर आ रहा है तो संगठन को उसके साथ खड़ा होकर उसे मजबूत करना चाहिए।

यह संदेश टिकट वितरण के बाद कुछ स्थानों पर सामने आई नाराजगी और बगावत के बीच भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। संगठन की कोशिश है कि स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट कर पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के पक्ष में पूरी ताकत लगाई जाए।

बैठक में वरिष्ठ नेताओं और सांसदों की चुनावी सक्रियता पर भी चर्चा हुई। एक वरिष्ठ नेता की ओर से कुछ सांसदों की अपेक्षाकृत कम सक्रियता का मुद्दा उठाया गया। इसके बाद संतोष ने स्पष्ट किया कि निकाय चुनाव केवल वार्ड प्रत्याशी का चुनाव नहीं है, बल्कि संगठन के हर स्तर की सक्रियता इसमें मायने रखती है।

मीडिया, सोशल मीडिया और आईटी से जुड़े पदाधिकारियों की बैठक में संतोष ने भाजपा के खिलाफ चल रहे नरेटिव को लेकर भी फीडबैक लिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि विपक्ष की ओर से फैलाए जा रहे प्रोपेगेंडा का तथ्यों के आधार पर जवाब दिया जाए।

बैठक में संगठनात्मक गोपनीयता का मुद्दा भी प्रमुखता से सामने आया। संतोष ने इस बात पर नाराजगी जताई कि कई बार पार्टी की आंतरिक बैठकों की जानकारी बैठक समाप्त होने से पहले ही बाहर और मीडिया तक पहुंच जाती है। उन्होंने ऐसे लोगों को लेकर सख्त संदेश दिया, जो संगठनात्मक बैठकों की अंदरूनी चर्चा सार्वजनिक करने या केवल मीडिया में खबरों में बने रहने के लिए सक्रिय रहते हैं।

अमेरिका की सहायता के लिये होर्मुज़ में सेना तैनात करेगा द.कोरिया

द.कोरिया होर्मुज़ से सुरक्षित समुद्री रास्ता सुनिश्चित करने के लिये सैन्य योगदान देने को तैयार है

■ **क्यूंगनाम युनिवर्सिटी के विज़िटिंग रिसर्च फैलो का कहना है कि सियोल होर्मुज़ में संभावित तैनाती को वॉशिंगटन के साथ व्यापार व गठबंधन से जुड़े अन्य मुद्दे हासिल करने के एक तरीके के रुप में देख सकता है।**

सियोल (दक्षिण कोरिया), 04 सितंबर। दक्षिण कोरिया होर्मुज़ जलडमरूमध्य से सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने में अमेरिका की मदद करने के लिए वहां सैन्य कर्मियों की तैनाती पर विचार कर रहा है।

"द कोरिया हेराल्ड" ने शुक्रवार को राष्ट्रपति कार्यालय चेओंग वा डे के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में इस अधिकारी की पहचान का खुलासा नहीं किया गया है। इस अधिकारी ने कहा कि यह कोरियाई प्रायद्वीप पर रक्षा तैयारियों की स्थिति और घरेलू कानूनी जरूरतों के आधार पर तय किया जाएगा। हालांकि, अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है।

यह बयान स्थानीय प्रसारक जेटीबीसी की गुरुवार की उस रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें कहा गया कि सरकार होर्मुज़ जलडमरूमध्य में सैनिकों की तैनाती पर विचार कर रही है और नेशनल असेंबली में तैनाती की मंजूरी का प्रस्ताव पेश करने में अधिक समय नहीं लगेगा।

इस रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए राष्ट्रपति भवन के अधिकारी ने कहा कि सरकार ने अभी किसी खास कार्रवाई का फैसला नहीं किया है। उन्होंने सियोल के इस रुख को दोहराया कि वह होर्मुज़ जलडमरूमध्य से सुरक्षित समुद्री रास्ते सुनिश्चित करने में ठोस और सैन्य योगदान देगा।

अधिकारी ने कहा, "सियोल की सेना लड़ाई में भी अमेरिका का साथ दे सकती है।" इस अधिकारी ने कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य में दक्षिण कोरिया के किसी भी "ठोस योगदान" के लिए सबसे पहले कोरियाई प्रायद्वीप पर देश की सैन्य तैयारी के आधार पर इसका आकलन किया जाएगा।

क्यूंगनाम यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट फॉर फार ईस्टर्न स्टडीज में विजिटिंग रिसर्च फेलो डू जिन-हो ने सुझाव दिया कि सियोल होर्मुज जलडमरूमध्य में संभावित तैनाती को वाशिंगटन के साथ व्यापार और गठबंधन से जुड़े कई अन्य मुद्दों पर बढ़त हासिल करने के एक तरीके के रूप में देख सकता है।

दुनिया भारत व अमेरिका के मजबूत रिश्तों से जलती है- राजदूत गोर

नई दिल्ली, 04 सितंबर। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने दोनों देशों की गहरी होती साझेदारी पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दुनिया के अन्य देश भारत और अमेरिका के मजबूत रिश्तों से जलते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप जिन वैश्विक नेताओं से मिलना चाहते हैं, उस सूची में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी टॉप पर हैं। इंडिया टुडे को दिए एक विशेष साक्षात्कार में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने रक्षा, व्यापार, कूटनीति और दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय बैठकों के बढ़ते दायरे पर विस्तार से बात की है।

■ **अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा, ट्रंप 2020 की भारत यात्रा को बहुत गर्मजोशी से याद करते हैं**

सर्जियो गोर का कहना है कि फ्लोरिडा में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप जिन नेताओं से मिलना चाहते हैं, उनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनकी पहली पसंद होंगे। राजदूत ने गोर ने अगले साल डॉनल्ड ट्रंप के भारत दौरे की संभावनाओं के भी संकेत दिए। उन्होंने कहा, जब भी मेरी उनसे (ट्रंप से) बात होती है, वे अपनी 2020 की भारत यात्रा, यहां के शानदार लोगों और अपने खास दोस्त प्रधानमंत्री मोदी को बेहद गर्मजोशी से याद करते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर शुक्रवार को पूंछरी का लौंठा स्थित श्रीनाथजी मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही, उन्होंने मुखारविंद मन्दिर में श्री गिरिराज जी का अभिषेक कर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए कामना की।

राहुल गांधी के प्र.मंत्री बनने में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

■ **अगर, यूपी, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलगांना आदि राज्यों में कांग्रेस का मजबूत प्रदर्शन रहता है तो राहुल प्र.मंत्री की कुर्सी के नज़दीक पहुँच सकेंगे।**

और टीवीके (तमिलगा वेट्री कझगम) नेता विजय ने इंडिया गठबंधन के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर राहुल गांधी का समर्थन किया है। कांग्रेस नेता ताराहाई कथबर्ट ने मतभेद की खबरों को खारिज करते हुए कहा है कि विजय और राहुल एक-दूसरे का सम्मान करते हैं।

लेकिन राजनीति शायद ही कभी पब्लिक को भरोसा दिलाने जितनी आसान होती है।

कुछ दिन पहले ही, विजय को पीएम बनाने के अभियान की खबरों के कारण कांग्रेस- टीवीके गठबंधन में काफी तनाव पैदा हो गया था। कांग्रेस के एक मंत्री ने यह धमकी तक दे दी थी कि अगर टीवीके 2029 के लिए राहुल गांधी का समर्थन करने से इनकार करती है, तो वे इस्तीफा दे देंगे।

यही बात राहुल गांधी की बुनियादी समस्या को उजागर करती है - भले ही कोई सहयोगी उनका समर्थन करे, लेकिन यह ज़रूरी नहीं कि वह समर्थन बिना किसी शर्त के हो।

इंडिया गठबंधन कभी भी एक पारंपरिक राजनीतिक पार्टी के तौर पर नहीं बनाया गया था, जिसका एक नेता, एक विचारधारा और एक कमान व्यवस्था (कमांड स्ट्रक्चर) हो। यह उन पार्टियों का चुनावी गठबंधन था, जिनकी क्षेत्रीय रुचियां और महत्वाकांक्षाएं एक-दूसरे से बिल्कुल अलग थीं। इसी वजह से शीर्ष पद के लिए राहुल गांधी का दावा विशेष रूप से मुश्किल हो जाता है।

ममता बनर्जी ने यह दिखा दिया था कि तृणमूल कांग्रेस की अपनी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाएं हैं और ज़रूरी नहीं कि वह कांग्रेस को विपक्ष का निर्विवाद नेता माने। इसी तरह, अरविंद केजरीवाल की "आप" ने भी कांग्रेस से अलग अपनी स्वतंत्र राजनीतिक जगह बनाने की कोशिश की थी।

वहीं, अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में एक ताकतवर खिलाड़ी के तौर पर उभरी है और राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष का नेतृत्व कौन करे, इसे लेकर उसका अपना गणित है।

राहुल गांधी के सामने यही मुख्य विरोधाभास है - कांग्रेस चाहती है कि इंडिया गठबंधन सबसे बड़ी राष्ट्रीय विपक्षी पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन की तरह काम करे, जबकि कई क्षेत्रीय पार्टियां इस गठबंधन को मुख्य रूप से भाजपा को हराने के एक ज़रिए के तौर पर देखती हैं- न कि राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए।

यह फ़र्क 2029 में निर्णायक साबित हो सकता है।

कांग्रेस का अपने नेता के प्रति लगातार लगाव पार्टी को राहुल से उम्मीद नहीं खोने देता और पार्टी 2014 के बाद से उनमें आए सकारात्मक बदलावों की ओर इशारा करती है। पार्टी का मानना है कि उनका राजनीतिक संवाद बेहतर हुआ है, संसद में उनकी बातों पर ज़्यादा ध्यान दिया गया है और 'भारत जोड़ो यात्रा' ने उन्हें एक ऐसी छवि प्रदान की है, जो उनके विरोधियों द्वारा बनाई गई 'अनिच्छुक राजनेता' की छवि से बिल्कुल अलग है।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव ने भी कांग्रेस का मनोबल बढ़ाया। पार्टी ने 2019 के अपने नतीजों में काफ़ी सुधार किया, और राहुल गांधी विपक्ष के नेता के तौर पर उभरे हैं। लेकिन मज़बूत कांग्रेस का मतलब अपने आप ही यह नहीं हो जाता कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री पद के लिए आम सहमति वाले उम्मीदवार बन जाएंगे।

इसके लिए, कांग्रेस को एक ज़्यादा मुश्किल सवाल का जवाब देना होगा - वह वास्तव में अपने दम पर कितनी सीटें जीत सकती है, और क्षेत्रीय सहयोगियों पर कितनी निर्भर रहेगी?

इस सवाल का जवाब ही राहुल गांधी की मोल-भाव करने की क्षमता तय करेगा।

अगर कांग्रेस उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और अन्य राज्यों में अच्छा प्रदर्शन करती है, तो राहुल का दावा काफ़ी मज़बूत हो जाएगा। लेकिन अगर अहम राज्यों में क्षेत्रीय पार्टियां हावी रहती हैं, तो प्रधानमंत्री पद का सवाल एक बार फिर चुनाव के बाद बातचीत का मुद्दा बन सकता है।

यहीं पर सी एम विजय अहम हो जाते हैं।

नया नीतीश कुमार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का एक वर्ग, दोनों ही यह पूछने लगे हैं कि उस राजनीतिक जगह का क्या होगा, जिस पर वे इतने लंबे समय तक काबिज़ रहे। कई लोग दावा करेंगे। कुशवाहा ने औपचारिक रूप से खुद को नीतीश का उत्तराधिकारी घोषित नहीं किया है। लेकिन यह स्पष्ट है कि एक बड़ा वर्ग चाहेगा कि वे यह जिम्मेदारी संभालें।

उत्तराधिकार का सवाल सिर्फ यह नहीं है कि राजनेता के तौर पर नीतीश की जगह कौन लेगा। सवाल यह है कि उनके पीछे छोड़ी गई राजनीतिक परंपरा का वाहक कौन होगा, खासकर समाजवादी, पिछड़ी जाति वाली वह जगह, जिसने कभी नीतीश को राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) और भाजपा, दोनों से अलग खड़ा होने में मदद की थी।

यहीं पर कुशवाहा की भूमिका अहम हो जाती है। वे आज बिहार में नीतीश की राजनीतिक शैली के संभावित उत्तराधिकारी के शायद सबसे करीब हैं। नीतीश की तरह, वे भी कर्पूरी ठाकुर, राम मनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण द्वारा गढ़ी गई समाजवादी परंपरा से आते हैं; नीतीश की तरह, वे पिछड़ी जाति के उस सामाजिक गठबंधन के महत्व को समझते हैं, जिसने लव-कुश (कुर्मी-कोइरी) समीकरण को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनाया; और सबसे अहम बात यह है कि उन्होंने दशकों तक उसी राजनीतिक क्षेत्र में काम किया है, ऐसा नहीं कि वे अचानक इसके दावेदार बन गये हों।

कुशवाहा सरकार का हिस्सा रहे हैं, उन्होंने राजनीतिक संगठन बनाए और उनका नेतृत्व किया है, भाजपा और व्यापक जनता परिवार, दोनों के साथ गठबंधन की बातचीत की है, और अपनी एक स्वतंत्र राजनीतिक पहचान बनाए रखी है। इसलिए, उनकी अहमियत सिर्फ़ इसलिए नहीं है कि वह कोइरी नेता हैं या नीतीश के पूर्व सहयोगी रहे हैं, बल्कि इसलिए है कि वे उस खास जगह को समझते हैं, जिस पर नीतीश काबिज़ थे: सामाजिक रूप से जुड़े हुए लेकिन किसी एक जाति तक सीमित नहीं, भाषा में समाजवादी लेकिन गठबंधन के मामले में व्यावहारिक, और पिछड़े वर्गों के साथ-साथ उस मध्यम वर्ग से भी बात करने में सक्षम, जो सुशासन के वादे पर भरोसा करता था। अगर कोई "अगला नीतीश" हो सकता है, तो कुशवाहा का दावा इस बात पर टिका है कि वह सिर्फ़ कुर्सी के नहीं, बल्कि उस राजनीतिक तौर-तरीक़े के उत्तराधिकारी बन सकते हैं, जिसने नीतीश को इतने लंबे समय तक प्रासंगिक बनाए रखा।

लेकिन, कुशवाहा ने विरासत को अलग तरह से परिभाषित करने में सावधानी बरती है। उनके लिए, विरासत का मतलब कुर्सी मिलना, या एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को राजनीतिक सत्ता का अपने-आप हस्तांतरण नहीं है; बल्कि यह विचारों, मूल्यों और एक राजनीतिक परंपरा को आगे बढ़ाने का पर्याय है। इसीलिए कर्पूरी ठाकुर और राम मनोहर लोहिया का ज़िक्र उनके लिए मायने रखता है। असल में, वे यह तर्क दे रहे हैं कि नीतीश की असली विरासत उस समाजवादी राजनीति में है, जिसे उन्होंने अपनाया, उसमें बदलाव किए और बिहार में चुनावी रूप से प्रासंगिक बनाया, और जो कोई भी उस विरासत का दावा करता है, उसे उन विचारों को आगे ले जाने की क्षमता दिखानी होगी।

यह फ़र्क इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि नीतीश के जनता दल (यूनाइटेड) के पास उत्तराधिकार के सवाल का बिल्कुल अलग जवाब है। पार्टी के नेताओं ने स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार को बिहार के भविष्य के तौर पर पेश करना शुरू कर दिया है। इस पेशकश को आसानी से समझा जा सकता है, क्योंकि वे नीतीश के बेटे हैं और परिवार की राजनीतिक विरासत के सबसे स्वाभाविक उत्तराधिकारी हैं।

लेकिन किसी राजनीतिक नेता का बेटा होना, और उसकी राजनीतिक विरासत का उत्तराधिकारी होना, ज़रूरी नहीं कि एक ही बात हो। निशांत को अभी उस परीक्षा से गुज़रना बाकी है, जिसका सामना हर राजनीतिक उत्तराधिकारी को कभी न कभी करना ही पड़ता है: अपनी खुद की पहचान, अपना जनाधार और अपनी विश्वसनीयता बनाना।

राजनीति में, खानदान से मिली पहचान एंट्री टिकट तो दिला सकती है, लेकिन यह अपने-आप में लोगों की स्वीकार्यता की गारंटी नहीं दे सकती। समय, राजनीतिक कामकाज और मतदाताओं से जुड़ने की क्षमता ही यह तय करेंगे कि निशांत पारिवारिक विरासत को एक स्वतंत्र राजनीतिक जनादेश में बदल सकते हैं या नहीं।

अब हार्पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस संस्मरण, जिसमें एकांतप्रिय सोनिया गांधी ने युद्ध के बाद के इटली में गुजरे अपने बचपन, नेहरू-गांधी परिवार में शादी, पति राजीव गांधी की हत्या और राजनीति में आने के बारे में लिखा है, ने अंतरर्राष्ट्रीय स्तर पर पब्लिश होने से पहले ही काफी ध्यान खींचा है।

सात राज्यों में न्यायिक अधिकारियों की आयु सीमा 62 वर्ष हो- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 04 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने जिला न्यायपालिका के अधिकारियों की सेवानिवृत्ति उम्र बढ़ाने को लेकर बड़ा निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने सात राज्यों को न्यायिक अधिकारियों की रिटायरमेंट उम्र 60 से बढ़ाकर 62 साल करने का आदेश दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने यह निर्देश दिया। शीर्ष अदालत का कहना है कि अनुभवी न्यायिक अधिकारियों को सिस्टम में बनाए रखना जरूरी है।

■ **अदालत ने कहा कि 60 वर्ष की उम्र पूरी करने वालों की उपयुक्तता के आधार पर रिटायमेंट एज बढ़ेगी। उपयुक्तता की जांच संबंधित हाईकोर्ट करेगा।**

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और मध्य प्रदेश को अपने सेवा नियमों में बदलाव करना होगा। महाराष्ट्र, सिक्किम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में भी सेवानिवृत्ति उम्र 62 साल करनी होगी। इन राज्यों को सेवा नियमों में संशोधन करने के लिए शीर्ष अदालत ने कहा है कि यह काम जल्द से जल्द किया जाए।

विजय शाह का ऐसा क्या ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

■ **मध्य प्रदेश सरकार, सुप्रीम कोर्ट में भी पूरा जोर लगा रही है, शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने की इज़ाजत न देने के लिए।**

नहीं लिया था। सरकार का यह भी कहना है कि मंत्री का मकसद अपनी टिप्पणी से कर्नल कुरैशी या किसी अन्य व्यक्ति का अपमान करना नहीं था।

राज्य सरकार शाह की माफी पर भी काफी हद तक भरोसा कर रही है। सरकार के प्रस्तावित जवाब के अनुसार, शाह ने तीन बार माफी मांगी और लिखित रूप में खेद भी व्यक्त किया। कैबिनेट का मानना है कि आपराधिक मुकदमा चलाने का फैसला करते समय बार-बार मांगी गई इस माफी पर विचार किया जाना चाहिए।

सरकार ने इस घटना को मानवीय भूल भी बताया है। उसका कहना है कि हालात को देखते हुए, शाह द्वारा बार-बार खेद व्यक्त करने और जानबूझकर ऐसा करने का इरादा न होने को देखते हुए, मुकदमा चलाने की मंज़ूरी देने का कोई पर्याप्त आधार नहीं है।

सरकार के बचाव का एक और अहम हिस्सा यह तर्क है कि शाह के बयान से सांप्रदायिक सद्भाव नहीं बिगड़ा। राज्य सरकार यह तर्क दे सकती है कि न तो सांप्रदायिक शांति में कोई वास्तविक व्यवधान आया और न ही मंत्री का ऐसा कोई व्यवधान पैदा करने का इरादा था।

मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता वाली कैबिनेट ने 25 अगस्त को शाह पर मुकदमा चलाने की मंज़ूरी न देने का फैसला किया था। इसके बाद यह सिफारिश राज्यपाल मंगूभाई पटेल को भेजी गई, जिन्होंने कैबिनेट के फैसले को मंज़ूरी दे दी। अब सरकार इन तर्कों को सुप्रीम कोर्ट के सामने रखेगी।

लेकिन कोर्ट के लिए तैयार किए जा रहे कानूनी तर्कों से परे एक ऐसा राजनीतिक सवाल भी है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। सरकार विजय शाह के खिलाफ़ कार्रवाई करने में इतनी हिचकिचाहट क्यों दिखा रही है?

इसका जवाब भाजपा के अंदर, और मध्य प्रदेश की आदिवासी राजनीति में शाह की विशेष राजनीतिक पकड़ में छिपा है।

विजय शाह कोई आम मंत्री नहीं हैं। उन्होंने 1990 से लगातार आठ विधानसभा चुनाव जीते हैं और तीन दशकों से ज़्यादा समय से मध्य प्रदेश की राजनीति में बने हुए हैं। विधायक के तौर पर अपने आठ कार्यकाल के दौरान, उन्होंने उमा भारती के दौर से लेकर मौजूदा मोहन यादव सरकार तक में काम किया है।

इन सालों में, शाह ने पांच अलग-अलग विभागों की जिम्मेदारी संभाली है। उन्होंने तीन बार आदिवासी कल्याण विभाग और दो बार वन विभाग का नेतृत्व किया है। उन्होंने स्कूल शिक्षा, पर्यटन और संस्कृति, और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभागों का भी कार्यभार संभाला है।

सरकार में इतने लंबे समय तक बने रहने के साथ-साथ, ज़मीनी स्तर पर उनका गहरा राजनीतिक प्रभाव भी रहा है।

शाह मकराई राजपरिवार से ताल्लुक रखते हैं और राजगोंड खानदान से हैं। उन्हें मध्य प्रदेश में भाजपा के सबसे प्रमुख आदिवासी चेहरों में से एक माना जाता है, खासकर गोंड वोटरों के बीच।

यह सामाजिक आधार राजनीतिक रूप से बहुत अहम है। मध्य प्रदेश की आबादी में अनुसूचित जनजातियों की हिस्सेदारी लगभग 22 प्रतिशत है। राज्य में अनुसूचित जनजातियों के लिए 47 विधानसभा सीटें आरक्षित हैं, जबकि आदिवासी वोटर कई अन्य निर्वाचन क्षेत्रों के नतीजों को भी प्रभावित करते हैं। कुल मिलाकर, आदिवासी-बहुल सीटों की विधानसभा में बड़ी हिस्सेदारी है।

गोंड समुदाय राज्य के सबसे बड़े आदिवासी समूहों में से एक है और मध्य प्रदेश की आदिवासी आबादी का एक बड़ा हिस्सा है। इस सामाजिक वर्ग में शाह की स्थिति उन्हें उनके अपने निर्वाचन क्षेत्र से कहीं ज़्यादा राजनीतिक महत्व दिलाती है।

लगभग चार दशकों से हरसूद और आसपास के इलाकों में उनका दबदबा रहा है। लगातार आठ जीत ने उन्हें भाजपा के सबसे मज़बूत क्षेत्रीय नेताओं में से एक बना दिया है।

यही वजह है कि उनके खिलाफ़ कोई भी कार्रवाई राजनीतिक रूप से पेचीदा है।

सत्ताधारी पार्टी के लिए, शाह को हटाना, उन पर मुकदमा चलाना या सार्वजनिक रूप से उनसे दूरी बनाना एक ऐसे प्रभावशाली आदिवासी नेता को नाराज़ करने का खतरा है, जिनका नेटवर्क बहुत पुराना है और चुनावी आधार वफ़ादार है।

पहले हुए विवादों के बाद भी, उनका राजनीतिक रूप से बने रहना यह दिखाता है कि पार्टी ने अतीत में उन्हें कितनी सावधानी से संभाला है।

2013 में, झाबुआ में एक कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के बारे में विवादास्पद टिप्पणी करने पर आलोचना होने के बाद शाह को कैबिनेट से हटा दिया गया था। लेकिन उन्हें हटाने का यह फैसला सिर्फ़ चार महीने तक ही चला और वे फिर से मंत्री बन गए। एक दशक से भी ज़्यादा समय के बाद, एक और विवाद ने उन्हें फिर से राजनीतिक और कानूनी तूफ़ान के केन्द्र में लाकर खड़ा कर दिया है।

लेकिन इस बार मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने है।

मई 2025 में एक वीडियो सामने आने के बाद शाह की कड़ी आलोचना हुई। इस वीडियो में उन्हें कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए देखा गया था, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की मीडिया ब्रीफिंग के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई थी।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने इन टिप्पणियों का स्वत: संज्ञान लिया, शाह की कड़ी आलोचना की और पुलिस को उनके खिलाफ दुश्मनी और नफरत फैलाने जैसे आरोपों में एफ.आई.आर. दर्ज करने का निर्देश दिया।

इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जिसने मध्य प्रदेश सरकार द्वारा गठित स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम से स्टेटस रिपोर्ट मांगी।

विवाद के बाद शाह ने खेद व्यक्त किया। हालांकि, बाद में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी माफी के तरीके पर उन्हें फटकार लगाई और सवाल उठाया कि क्या उनकी प्रतिक्रिया पर्याप्त थी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालौर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422-23, जालौर। फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906-07, फैक्स: 01562-256908

RAJ/P/2026/5326
KEDIA
आरण्यम
ADDRESS. LIFESTYLE. STATUS.
गणेश चतुर्थी पर
भव्य लॉन्च
NO MIDDLE MEN
14 सितंबर 2026
FIXED PRICE
नीमकाथाना की पहली गेटेड टाउनशिप
प्री-लॉन्च रेट ₹16,500 प्रति वर्ग गज
लॉन्च रेट (गणेश चतुर्थी) ₹18,000 प्रति वर्ग गज
दिवाली की रेट ₹20,000 प्रति वर्ग गज
1 दुकान की कीमत: ₹16.50 लाख
2 दुकानों की कीमत: ₹25 लाख
सिर्फ 10 दिन में ₹1500 प्रति वर्ग गज रेट बढ़ेगी !
KEDIA®
1800-120-2323
78770-72737
info@kedia.com
www.kedia.com
T&C Apply*

फाइबर और प्रोटीन से भरपूर
आटा तो पवित्र ही खिलाकर रहेंगे !
एक्सपोर्ट क्वालिटी गेहूँ से बना
केडिया पवित्र देशी चक्की आटा 10 किलो
अब सिर्फ ₹400 में
KEDIA Pavitra
DESHI CHAKKI AATA
देशी चक्की आटा
NET WEIGHT: 10 kg
FIXED PRICE
नजदीकी रिटेलर, सुपरमार्केट और Zepto पर उपलब्ध !
आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध
पहली बार ट्रिपल लेयर पैकेजिंग में
बिना प्रिजर्वेटिव
इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए अपने नज़दीकी दुकान पर इस विज्ञापन को दिखाएँ।
स्विस टेक बुहलर प्लांट में बना
BÜHLER
KEDIA Pavitra
आटा | दलिया | सूजी | बेसन | सत्तू | दाल | चावल | खड़े, पीसे एवं ब्लेंडेड मसाले | हींग | कुकिंग ऑयल | ड्राई फ्रूट्स | फ्लेवर्ड मखाना | गुड़ | मिश्री | सेंधा नमक | पोहा और चाय सहित कम्प्लीट किचन बास्केट
दुकान हो या सुपरमार्केट कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800-120-2727
Conditions Apply * Visuals for illustration purpose only*